



वंदे मातरम् सम्मान का प्रस्ताव पारित

भाजपा पार्टी मुख्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की पहली बैठक

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वंदे मातरम् के सिर्फ शुरुआती दो पद गाये जाने को लेकर कांग्रेस कार्य समिति के फैसले की निंदा की है और पार्टी को एक अहम बैठक में प्रस्ताव पारित कर कहा है कि राष्ट्रीय गीत सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी मुख्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की पहली बैठक हुई, जिसमें वंदे मातरम् के सम्मान और गौरवशाली विरासत के संरक्षण को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव में भाजपा ने कांग्रेस कार्य समिति के उस फैसले की कड़ी निंदा की है, जिसमें 1937 के प्रस्ताव को दोहराते हुए कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के गायन को केवल शुरुआती दो पदों तक सीमित कर दिया गया था।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजित पात्रा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री नवीन द्वारा टीम की घोषणा के बाद आज पार्टी मुख्यालय में पदाधिकारियों की पहली बैठक हुई और बैठकों का सिलसिला अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि पहली कार्यकारी



बैठक में भारत के गौरव, भारत के सम्मान और %वंदे मातरम् के सम्मान में पहला प्रस्ताव पारित किया गया।

उन्होंने कहा कि इस साल को वंदे मातरम् की 150वाँ वर्षगांठ के तौर पर मनाया जा रहा है। हिंदुस्तान के हर कोने में वंदे मातरम् के प्रति सम्मान, भावना और भावनात्मक जुड़ाव देखा जा सकता है। श्री पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नेतृत्व में लाल किले परिसर में वंदे मातरम्% के सभी छह पद गाये गये। भारत के इतिहास में पहली बार, 15 अगस्त को वंदे मातरम्% का पूरा पाठ किया गया, जिसमें सभी

छह पद शामिल थे। शाम होते-होते सोशल मीडिया पर कांग्रेस कार्यालय का एक वीडियो सामने आया, जिसमें श्रीमती सोनिया गांधी दो पदों के बाद वंदे मातरम् को रुकवाने के लिए कहती हुई दिखाई दीं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, उन्हें (श्रीमती गांधी) रुको, रुको कहते हुए सुना गया, मानो कोई अनुचित शब्द इस्तेमाल किए गये हों। उन्होंने कहा, सूरज उगने के साथ हमने पूरा वंदे मातरम् सुना, उसकी तारीफ की और सम्मान जताया, वहीं सूरज डूबने के समय सोशल मीडिया और मीडिया के ज़रिए हमने 15 अगस्त को कांग्रेस दफ्तर में हुई उस गलत हरकत को भी देखा। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त,को

सीडब्ल्यूसी की बैठक में एक प्रस्ताव पास किया गया, यह वही प्रस्ताव था जिसे कांग्रेस कार्य समिति ने अक्टूबर 1937 में कलकत्ता में पास किया था। उस प्रस्ताव में कहा गया था कि हम वंदे मातरम् के सभी छह पद स्वीकार नहीं करेंगे, हम इसे बांटकर छोटा कर देंगे और सिर्फ दो पद ही गावेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस कब तक देशभक्ति की आड़ में खुद को छिपाती रहेगी? आज कांग्रेस पार्टी से देशभक्ति का नकाब पूरी तरह उतर चुका है और पूरा देश उसमें तुष्टिकरण की राजनीति देख रहा है, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। वंदे मातरम् के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी ने खुद एक बंद कमरे की बैठक में कहा था कि कांग्रेस मुसलमानों की पार्टी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप देश को इस तरह बांट दें। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गाने की बात कही थी। इसका मकसद कभी भी हिंदुओं और मुसलमानों को बांटना नहीं था। भाजपा वंदे मातरम् को भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति भक्ति का प्रतीक, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है।

राहुल गांधी के घर के बाहर सिख परिवारों का प्रदर्शन, पुतला जलाया

नई दिल्ली। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फेंका।

प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा- कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए।सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

वहीं, कांग्रेस के नेता उदित राज ने सज्जन कुमार के निधन को पार्टी के लिए बड़ी क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने विशेष रूप से गरीबों के लिए बहुत काम किया था। इन बयानों के बाद से सिख समाज में नाराजगी है। प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह



कहलोन ने किया।।डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए और उन्हें अपना हीरो बताया, वह आपत्तिजनक हैं। राहुल गांधी को आज साफ करना होगा कि क्या सज्जन कुमार उनके हीरो हैं। उन्होंने कहा, 42 साल बाद हमारे परिवारों के जख्म फिर हरे हो गए हैं। हमारी भावनाओं को ठेस पहुंची है। राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं को इसे स्वीकार कर माफी मांगनी चाहिए।



रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज पवित्र श्रावण मास की बेला पर राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित अपने निवास में सपरिवार भगवान शिव के रुद्राभिषेक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्ण विधि-विधान से शिवलिंग का अभिषेक कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परिवारजन और भक्तजन उपस्थित थे।

कंठर समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

शिक्षा समाज के विकास का मूल मंत्र: साय

रायपुर। शिक्षा समाज के विकास का मूल मंत्र है। किसी भी समाज की प्रगति उसकी भावी पीढ़ी को मिलने वाली शिक्षा, संस्कार और अवसरों पर निर्भर करती है। समाज का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और प्रत्येक बच्चे की प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले, यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश कंठर समाज विकास समिति के प्रवेश अध्यक्ष सहित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात



कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कंठर समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। संत गहिरा गुरु जैसे महान संतों और समाज के पुरोधाओं ने शिक्षा, संस्कार, सेवा और सामाजिक एकता का जो मार्ग दिखाया है,

उसी पर आगे बढ़ते हुए नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सामाजिक सेवा और अपने दायित्वों के निष्ठापूर्वक निर्वहन की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज द्वारा सौंपा गया दायित्व समाज को आगे ले जाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी निष्ठा, समर्पण और सामूहिक भावना के साथ समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए कार्य करें।

स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में

अब बर्नेगे चुनावी साक्षरता क्लब

नई दिल्ली। ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) सहित देश की चुनावी प्रक्रिया को लेकर फैलाए जाने वाले दुष्प्रचार से निपटने के लिए चुनाव आयोग ने अब देश की नई पीढ़ी को इन चुनावी प्रक्रियाओं से जोड़ने और समझाने की एक मुहिम शुरू की है। जिसके तहत देश भर के प्रत्येक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों में अब एक चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) स्थापित होगा।जहां छात्रों को ईवीएम के काम-काज सहित मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया, मतगणना की प्रक्रिया आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। जल्द ही आयोग इसके लिए एक पाठ्यक्रम भी जारी करेगा। जिसकी तैयारी तेजी से चल रही है।इस मुहिम के तहत वैसे तो देश के 14.71 लाख स्कूलों, क़रीब 70 हजार उच्च शिक्षण संस्थानों और 1420 निजी व सरकारी विश्वविद्यालयों तक चुनावी साक्षरता क्लब खोलने की योजना बनाई है। जिसमें इस साल के अंत तक यानी दिसंबर तक देश के प्रत्येक विधानसभा में कम से कम दस सक्रिय क्लब शुरू की योजना है।

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दिल्ली में हाई-लेवल बैठक

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना, जमीनी स्तर की रणनीतियों को मजबूत बनाना और देश के युवाओं तक पार्टी की पहुंच को प्रभावी ढंग से बढ़ाना था। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में अगले वर्ष होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और चुनावी रणनीति पर विस्तृत मंथन किया गया। इसके साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर सहमति बनी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में हाल ही में 65 सदस्यों वाली नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की गई थी, जिसमें अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलन देखा जा रहा है।



जयशंकर का दो दिवसीय मॉस्को दौरा आज से

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। इस दौरान आईआरआईजीसी-टीईसी के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे और अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात भी प्रस्तावित है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इसके अनुसार, विदेश मंत्री 23-24 अगस्त को रूसी संघ के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। वे व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। बयान में कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, जयशंकर रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मिलेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई 2026 में फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान बैठकों के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी।



योगी के पी मतलब पाकिस्तान बयान पर अखिलेश का पलटवार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पीडीए में पी से पाकिस्तान वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कि एकरंगी क्या जानें, पीडीए के बहुरंग। वो घबराए हुए हैं, इसलिए पी की परिभाषा बदल रहे हैं। जितनी उनकी पीड़ा बढ़ेगी, उतना पीडीए मजबूत होगा। बल्कि पीडीए का असली मतलब है प्रेम, दया और अपनापन। भाजपा सत्ता के दुरुपयोग को अपना अधिकार समझती है। भ्रष्टाचार और सरकारी बजट की लूट भाजपा का मुख्य एजेंडा है। पीडीए समाज पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। भाजपा सरकार ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी को गंभीरता से नहीं लिया। समाजवादी पार्टी के ही पास भाजपा के षड्यंत्र को विफल करने की ताकत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि सपा गिरगिट की तरह रंग बदलती है और पीडीए का पी एक दिन पाकिस्तान कर देगी।



सुप्रीम कोर्ट ने बदली उद्योग की परिभाषा, कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर चिंता जताई, जिसमें कहा गया है कि उद्योग शब्द की 1978 में दी गई श्रमिक हितैषी व्याख्या औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत नए मामलों पर लागू नहीं होगी। पार्टी ने कहा कि कानून को उद्योग की व्यापक परिभाषा से सीमित करने या उससे अलग करने की कोई भी कोशिश श्रमिकों के संरक्षण को कमजोर कर सकती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार की औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 ने हमारे श्रमिकों के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों को काफी कमजोर कर दिया है। जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट की बहुमत वाली पीठ ने 20 अगस्त 2026 को उत्तर प्रदेश राज्य बनाम जय बीर सिंह मामले में अपने 1978 के चर्चित फैसले में तय ट्रिपल टेस्ट को नए सिरे से तय करने की परिकल्पना की है। यह ट्रिपल टेस्ट फरवरी 1978 के बंगलूरू वाटर सलाई एंड सीवेज बोर्ड बनाम ए राजप्पा मामले में तय किया गया था।



क्या देश विरोधी लोगों से मिलने यूएस जा रहे थे रेवंत रेड़ी : भाजपा

हैदराबाद। भाजपा नेता एनवी सुभाष ने कहा कि भाजपा तेलंगाना की ओर से रेवंत रेड़ी से उनके यूके और अमेरिका दौरे के उद्देश्य को लेकर सवाल किए जा रहे हैं। क्या यह यात्रा निजी है, पेशेवर है या फिर राज्य और वहां की जनता के विकास के लिए की जा रही है? मुख्यमंत्री को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। एनवी सुभाष ने रेवंत रेड़ी की लेखिका माया द्यूडर से प्रस्तावित मुलाकात पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, माया द्यूडर ने भारत, भाजपा और आरएसएस के खिलाफ कई किताबें लिखी हैं। ऐसे में उनसे मुलाकात का क्या महत्व है? भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से इस मुलाकात के उद्देश्य को स्पष्ट करने की मांग की। भाजपा नेता ने एक अन्य व्यक्ति फैसल देवजी का जिक्र करते हुए उन पर भारत विरोधी विचार रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फैसल देवजी ने पॉडकास्ट की मेजबानी की है, सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं और इंटरव्यू दिए हैं, जिनमें उन्होंने कथित तौर पर भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने और वैश्विक समुदाय के सामने बदनाम करने की कोशिश की है।



नितिन नवीन की नई टीम : नई ऊर्जा और नया संतुलन

ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि अपने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल ‘कौन आया और कौन गया’ के चरम से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने

वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है।

राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीर्थ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति



ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं की महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और

चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है।

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात् नितिन नवीन ने पूरी तरह से ‘पुराना हटाओ, नया लाओ’ की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से

लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है।

यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को

आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी राजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, रोजगार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है।

नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है।

जर्जर सड़क पर सियासत: पवन साय फंसे तो शुरु हुई मरम्मत

टीएस सिंहदेव बोले: एक व्यक्ति के लिए तंत्र फासीवाद का नमूना

सरगुजा। अंबिकापुर में जर्जर सड़कों को लेकर अब सियासत तेज हो चुकी है. आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में पहले लोग गड्डों और कीचड़ से परेशान थे।इस बारे में पिछले 4 साल से लोग आवाज बुलंद कर रहे हैं,लेकिन किसी के कान में जू तक नहीं रेंगी लेकिन जैसे ही बीजेपी के संगठन मंत्री पवन साय की गाड़ी इस सड़क पर फंसी वैसे ही उनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया।उन्होंने सड़क को लेकर प्रशासन और मंत्रियों को फोन लगाकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

इसके बाद सड़क मरम्मत का काम शुरू किया गया। वहीं रोड की मरम्मत को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने इस घटना को फासीवाद बताया। सड़क मरम्मत को लेकर प्रशासनिक सक्रियता पर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भाजपा सरकार पर तीखा तंज कसा है। सिंहदेव ने इसे व्यक्तिवादी और फासिस्टवादी विचारधारा का प्रमाण बताया है।

वहीं इस मामले में बीजेपी जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि उनके कहने पर हम लोगों को कुछ कहना नहीं है, सड़क



की समस्या गहरी है लेकिन इसका एक तकनीकी कारण है। वो क्षेत्र नया विकसित हुआ है, जिस कारण वहां जल निकासी की समस्या है। निकासी की व्यवस्था करने में जनता की नाराजगी भी सामने आती है। आपको बता दें कि बीजेपी के संगठन मंत्री पवन साय की गाड़ी अंबिकापुर के दरिमा रोड की जर्जर सड़क में फंस गई। सड़क की हालत को लेकर पवन साय ने नाराजगी जताई और भाजपा नेताओं, मंत्रियों एवं अधिकारियों को फटकार भी लगाई। इसके बाद सड़क की

मरम्मत को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तेजी देखने को मिली। आनन फानन में भाजपा नेता और अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और सड़क मरम्मत का काम शुरु किया गया। अंबिकापुर की जर्जर सड़क और फिर फटकार के बाद मरम्मत को लेकर सिंहदेव के इस बयान के बाद सियासत तेज हो गई है। अब देखना होगा की दरिमा रोड समेत शहर और आसपास की खराब सड़कों की मरम्मत को लेकर प्रशासन कितनी तेजी से काम करता है।

7 जुआरी गिरफ्तार, 2.01 लाख की सामग्री जब्त



कोण्डागांव। कोण्डागांव

थाना एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने ग्राम केंवटी के जंगल में जुआ खेल रहे 7 जुआरियों को 52 परियों के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 7,100 नगद, ताश के 52 पत्ते, 5 मोबाइल फोन और 6 दोपहिया वाहन जब्त किए। जब सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 2,01,100 बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त को सूचना मिली थी कि ग्राम केंवटी के जंगल में कुछ लोग ताश के पत्तों से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुआ खेल रहे सातों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 3 के तहत थाना कोण्डागांव में मामला दर्ज कर

विवेचना शुरू कर दी है। ज्योग्राफिकमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों में उत्तम पटेल (33), विष्णु दास सोनी (27), महेश मरकाम (27), मंगतराम कोराम (26), अर्जुन बघेल (26), विकास ठाकुर (36) और कमलेश सोनी (28) शामिल हैं। सभी आरोपी कोण्डागांव जिले के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक आईपीएस पंकज चन्द्रा के निर्देश, एसपी की कपील चन्द्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी कोण्डागांव रूपेश कुमार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में थाना प्रभारी सौरभ उपाध्याय, सहायक उप निरीक्षक पिताम्बर कठार, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र देहारी तथा साइबर शाखा के प्रधान आरक्षक अजय बघेल, प्रशांत जुरी, आरक्षक संतोष कोडोपी, बिरजू सोरी एवं चन्दन सोरी का विशेष योगदान रहा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महारुद्राभिषेक में शामिल हुए

महासमुंद। पावन श्रावण मास के अवसर पर विशाल मेगा मार्ट परिसर, महासमुंद में एक माह तक आयोजित महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर हवन-पूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने भगवान शिव से प्रदेश में निरंतर विकास और जनकल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम में महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा सहित परिवारजन, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व सांसद चुन्नी लाल साहू, पूर्व विधायक डॉ. विमल चौपड़ा, जिला स्काउट एवं गाइड संघ के जिलाध्यक्ष ऐतराम साहू, नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



छात्रा से अश्लील फोटो मांगने वाला शिक्षक अरेस्ट

परीक्षा में फेल करने की दी थी धमकी, पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई

कांकेर। कांकेर में गुरु शिष्य परंपरा को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है.यहां गणित के शिक्षक ने नाबालिग छात्रा को परीक्षा में फेल करने का डर दिखाया।इसके बाद उससे अश्लील वीडियो और तस्वीरों की मांग की। इसके लिए शिक्षक लगातार छात्रा पर दबाव बना रहा



था लेकिन छात्रा ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दे दी।परिजनों ने बिना देरी किए थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद आरोपी शिक्षक को गिरफ्तारी की गई। पखांजूर एसडीओपी कुलदीप बंजारे के मुताबिक 16 अगस्त को आरोपी शिक्षक ने स्कूल में अतिरिक्त

फर्जी दस्तावेज बनाकर मृतक की जमीन को अपना बताया

धमतरी में 40 लाख की ढ़ी का खुलासा

धमतरी। फर्जी दस्तावेजों के जरिए धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जिले के मगरलोड पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया। आरोपियों पर मृतक के नाम दर्ज करीब साढ़े चार एकड़ कृषि भूमि को अपना बताकर बेचने की कोशिश करने और इसके लिए फर्जी ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड सहित बैंक से जुड़े दस्तावेज तैयार करने का आरोप है।पुलिस के मुताबिक गोबरा नवापारा निवासी सचिन बगानी ने मगरलोड थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्राम सांगा में मृतक विष्णु प्रसाद साहू के नाम दर्ज करीब 4।5 एकड़ कृषि भूमि को आरोपी ठाकुर राम साहू ने अपनी जमीन बताते हुए बेचने का साौदा किया। इस प्रक्रिया में प्रार्थी से अलग-अलग माध्यमों से नगद और चेक के जरिए करीब 40 लाख रुपये ले लिए गए।

शिकायत मिलने के बाद मगरलोड पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक के नाम से बैंक खाते से संबंधित दस्तावेज, ग्राहक आवेदन फार्म और बैंक स्टेटमेंट खंगाले गए। दस्तावेजों की जांच



और आरोपियों से पूछताछ में फर्जीवाड़े की परतें खुलती चली गई।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कथित तौर पर मृतक के नाम से फर्जी ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड और बैंक संबंधी कागजात तैयार किए थे। इन दस्तावेजों के जरिए जमीन पर अपना अधिकार जताते हुए उसे बेचने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी ठाकुर राम साहू ने अपने सहयोगी जितेन्द्र साहू के साथ मिलकर इस पूरे फर्जीवाड़े की अंजाम दिया।[आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने फर्जी ऋण पुस्तिका, फर्जी आधार कार्ड, एक एटीएम कार्ड, तीन चेक, दो रबर सील, लिखावट से संबंधित डायरी और 5,200 रुपये नगद बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी ठाकुर राम

साहू के लिखावट और हस्ताक्षर के नमूने भी पुलिस ने लिए हैं, जिन्हें परीक्षण और मिलान के लिए क्यूडी शाखा भेजा जाएगा।पुलिस ने मामले में ठाकुर राम साहू उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम सांगा, थाना मगरलोड और जितेन्द्र साहू उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम पोखरा, थाना राजिम, जिला गरियाबंद को 20 अगस्त को गिरफ्तार किया। दोनों को गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी देने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षडयंत्र से जुड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की है। विवेचना के दौरान आपराधिक षडयंत्र की भूमिका सामने आने पर धारा 61(2) बीएनएस भी जोड़ी गई है।

दुर्ग कलेक्टोरेट में किसानों का प्रदर्शन

कर्ज माफी समेत तीन सूत्रीय मांग पर हुए एकजुट

धमधा। धमधा के किसानों ने दुर्ग कलेक्टोरेट में प्रदर्शन किया।किसानों का आरोप है कि उन्हें कर्जमाफी का मौखिक आश्वासन मिला था।जिसके बाद किसानों ने किस्त जमा करना बंद कर दिया।इसके बाद 19 किसानों की कर्जमाफी हुई लेकिन 100 से ज्यादा किसानों को कर्जमाफी का लाभ नहीं मिला। अब बैंक किसानों को जमीन कुर्क करने का नोटिस भेज रहा है,जिसे लेकर किसान परेशान हैं।

किसानों ने बताया कि साल 2014-15 में धमधा क्षेत्र के कई किसानों ने आईडीबीआई बैंक से कृषि कार्य के लिए कर्ज लिया था।किसान नियमित रूप से बैंक की किस्तों का भुगतान कर रहे थे।इसी बीच साल 2018-19 में करीब 18 से 19 किसानों का कर्ज पूरी तरह माफ कर दिया गया। इसके बाद शेष 100 से अधिक किसानों को भी कर्ज माफी का मौखिक आश्वासन दिए जाने का दावा किसानों ने किया।

बैंक की ओर से मिले इस भरोसे के बाद हमने कर्ज की किस्तों का भुगतान रोक दिया।लेकिन अब कई साल बाद बैंक की ओर से किसानों को जमीन कुर्की के नोटिस जारी किए



जा रहे हैं। हमने पहले भी इस मामले को लेकर कलेक्ट्रेट में अधिकारियों से शिकायत की थी, जहां जल्द समाधान का आश्वासन मिला था।

बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है – किसानों ने गांव में बिजली व्यवस्था से जुड़ी गंभीर समस्या भी प्रशासन के सामने रखी। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के ट्रांसफार्मर में लगातार करंट प्रवाहित होने की समस्या बनी हुई है। इसके कारण कई लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं और ग्रामीणों में डर का माहौल है। किसानों का आरोप है कि समस्या के सुधार के लिए बिजली विभाग

के कर्मचारियों ग्रामीणों से 75 हजार रुपये की मांग की जा रही है। किसानों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।इसके अलावा ग्रामीणों ने गांव में स्कूल भवन नहीं होने की समस्या भी उठाई।भवन के अभाव में बच्चों की पढ़ाई पंचायत भवन में कराई जा रही है।ग्रामीणों ने जल्द से जल्द स्कूल भवन निर्माण की मांग की। तिरंगा यात्रा निकालने की अनुमति नहीं मिलने को लेकर भी किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। किसानों ने प्रशासन से सभी समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने और लंबित मांगों पर ठोस कार्रवाई की मांग की है।

छत्तीसगढ़	प्रमुख समाचार	बलरामपुर में सावन उत्सव झूमीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े	नशीली दवा के साथ दो अरेस्ट, 590 गोलियां जब्त	2 युवक बाइक समेत बह रहे ग्रामीणों ने बचाई जान	पशु तस्करी के खिलाफ केसीजी पुलिस का शिकंजा	अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप छात्राओं को मिली नई उम्मीद
		बलरामपुर। बीजेपी महिला मोर्चा की ओर से सावन उत्सव का आयोजन किया गया. ऑफिसर्स क्लब में हुए भव्य आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े भी शामिल हुईं। बलरामपुर ऑफिसर्स क्लब में भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा आयोजित सावन उत्सव में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शिरकत की। इस कार्यक्रम में कई तरह के पारंपरिक खेल-कूद, छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता एवं सावन झूला सहित अनेक मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया।कार्यक्रम के दौरान अचानक हुई बारिश ने उत्सव के उल्लास को और बढ़ा दिया। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायकों एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बारिश में भी जमकर झूमीं और सावन के उत्सव का आनंद लिया। महिला मोर्चा की ओर से आयोजित इस आयोजन में भारतीय संस्कृति, परंपरा और छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली।कार्यक्रम ने महिला कार्यकर्ताओं के बीच आपसी मेल-जोल, सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता को भी मजबूत किया।	धमतरी। धमतरी जिले में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. इसी कड़ी में सिटी कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड धमतरी के पास नशीली दवाओं की अवैध बिक्री के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 590 नशीली गोलियां बरामद की हैं। इसके साथ ही दो मोबाइल फोन और दो बाइक भी जब्त की गई हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 69 हजार 720 रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक थाना सिटी कोतवाली को बस स्टैंड के आसपास नशीली दवा की अवैध बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने प्रियांशु महावर और नरेश सैयाम को पकड़ा गया। दोनों से पूछताछ और तलाशी के दौरान नशीली दवाएं बरामद हुईं। गिरफ्तार आरोपियों में प्रियांशु महावर निवासी धमतरी और नरेश सैयाम निवासी मौदहा पारा रायपुर शामिल हैं।	बिलासपुर। जिले के लीलागर नदी में आई बाढ़ के बीच जान में जोखिम डालकर एनीकट पार करना दो युवकों को भारी पड़ा। तेज बहाव के बावजूद बाइक सवार युवक एनीकट पार करने लगे और देखते देखते ही दोनों युवक पानी में समा गए। लेकिन मौके पर मौजूद 3 युवकों ने नदी में कूद कर बह रहे युवकों की जान बचा ली। जिस पर बिलासपुर एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मान बनाया। दरअसल प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मल्हार क्षेत्र के चकरबेढा निवासी गुड्डा टंडन और दुर्गेश टंडन जांजगीर चांपा की ओर जाने के लिए निकले थे। उस समय नदी उफान पर थी और एनीकट के ऊपर तेज रफ्तार से पानी बह रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने युवकों को आगे नहीं जाने की हिदायत भी दी और बह जाने की चेतावनी दी थी लेकिन दोनों उनकी बात को नजरअंदाज करते हुए एनिकट पार करने लगे। बताया जा रहा है कि दोनों नशे में भी थी। जैसे ही वे बाइक के साथ पानी के तेज बहाव के पास पहुंचे असंतुलित होकर बाइक समेत बह गए।	खैरागढ़। केसीजी जिले में पशु तस्करी के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। साल्हेवारा पुलिस ने दो अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 भैंस-भैंसे, दो पिकअप वाहन और चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मुखबिर से सूचना मिली थी कि मवेशियों को पिकअप वाहनों में ढूंसकर बिना चारा-पानी के नागपुर की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही साल्हेवारा थाना के सामने नाकाबंदी की गई। जांच के दौरान दो अलग पिकअप वाहनों में कुल 10 मवेशी व्हरता पूर्वक भरे मिले। आरोपियों से पविहन और खरीदी-बिक्री से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पहले मामले में अमन मेरावी और अजय वीके, जबकि दूसरे मामले में हरिशंकर ध्वव और उमेश कुमार साहू को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, पशुओं के प्रति व्हरता निवारण अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की है।	अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप छात्राओं को मिली नई उम्मीद धमतरी। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पहल के तहत पात्र छात्राओं को स्नातक शिक्षा पूरी करने तक प्रतिवर्ष 30,000 की वित्तीय सहायता दी जाएगी। छात्राएं इस राशि का उपयोग ट्यूशन फीस सहित शिक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक खर्चों के लिए कर सकेंगीं। यह छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि बेटीयों को उच्च शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण कोई प्रतिभाशाली छात्रा अपनी कॉलेज शिक्षा बीच में न छोड़े। स्कॉलरशिप के अंतर्गत चयनित छात्राओं को उनकी स्नातक शिक्षा की अवधि के अनुसार 2 से 5 वर्षों तक प्रतिवर्ष 30,000 की सहायता मिलेगी। इस छात्रवृत्ति की एक विशेषता यह है कि इसका चयन मेरिट, जाति, आय या धर्म के आधार पर नहीं किया जाता। सरल पात्रता मानदंड और आसान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक इस योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

शराब दुकान के गार्ड को गोली मार बिहार भागा आरोपी, पकड़ाया

रायगढ़। रायगढ़ जिले में गेरवानी स्थित शराब दुकान में हुई फायरिंग मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गोली चलाने वाले 19 साल के आरोपी विवेक कुमार यादव को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। मामले में फरार आरोपी रोशन ठाकुर की तलाश जारी है। पूरा मामला पूंजीपथरा थाना इलाके का है।

दरअसल, घटना 17 अगस्त 2026 की रात करीब 10:30 बजे की बताई जा रही है। घायल सुरक्षा गार्ड चंद्रशेखर पटेल (43 वर्ष) इंगल हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड के तहत गेरवानी शराब दुकान में द्यूटी पर तैनात था। बताया गया कि दुकान बंद होने के बाद कुछ असामाजिक तत्व अक्सर परिसर के आसपास पहुंचकर विवाद और गाली-गलौज करते थे। इसके बाद घटना वाली ही रात एक युवक दुकान के सामने पहुंचा और गार्ड के एक परिचित से गाली-गलौज एवं मारपीट को लेकर विवाद करने



लगा। आरोप है कि युवक ने जान से मारने की धमकी देने के बाद अचानक पिस्टल निकाला और फायर कर दिया, जिससे गोली गार्ड चंद्रशेखर के पेट में लगी। घायल अवस्था में उसने आहाते के पीछे जाकर अपनी जान बचाई और साथियों को घटना की जानकारी दी। डायल 112 को सूचना के बाद पहले घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में घायल गार्ड की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 206/2026 में धारा 296, 351(3), 109(1) बीएनएस, 25, 27 आर्म्स एक्ट

के तहत अपराध दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे थे। साथ ही क्षेत्र के अन्य प्लांटों में लगातार पुलिस पूछताछ कर रही थी, इस दौरान वारासत से जुड़ी बड़ी लीड मिली। गोली कांड के बाद आरोपी विवेक कुमार यादव बिहार में छिपा हुआ था। वह रायगढ़ के गेरवानी स्थित अग्रोहा स्टील प्राइवेट लिमिटेड में मजदूरी करने के लिए आया था। एसएसपी शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन और उपनिरीक्षक के दिलीप बेहरा की नेतृत्व में पुलिस टीम को बिहार के जमुई जिले में रवाना किया गया। जहां पतासाजी के बाद आरोपी के घर पर दबिश दी गई। इस दौरान पुलिस ने फिल्मी अंदाज में आरोपी को पकड़ा। शक्ति आरोपी ने पुलिस के आने की भनक लगते ही घर से खते के रास्ते भागकर छिपने का प्रयास किया। हालांकि ज्यादा समय तक उसकी

चालाकी काम नहीं औ 2 घंटे सच ऑपरेशन चलाकर आरोपी को दबोच लिया गया। हिरासत में लेकर पुलिस आरोपी को रायगढ़ लेकर आई। आरोपी के कब्ज से एक पिस्टल बरामद किया गया है।

30 हजार में खरीदा पिस्टल, फोरमैन को डराने का था इरादा

आरोपी विवेक ने पूछताछ में पुलिस को दोस्त रोशन ठाकुर के साथ गार्ड से झगड़ा करने और फिर पिस्टल से फायरिंग की वारदात देने का अपराध स्वीकार किया। उसने बताया कि वह अग्रोहा स्टील प्लांट में मजदूरी करता था, जहां फोरमैन प्रमोद शुक्ला पिछले कुछ दिनों से उसे परेशान कर रहा था। उसे डराने के इरादे से वह बिहार से 30 हजार रुपए में पिस्टल और एक गोली खरीद कर साथ लाया था। इसके बाद उसने फोरमैन प्रमोद शुक्ला को डराया-धमकाया भी।



जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय (बस्तर विश्वविद्यालय) में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर की जा रही शैक्षणिक भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर बड़े विवादों के घेरे में है। जगदलपुर के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संतोष बाफना ने इस मुद्दे पर विश्वविद्यालय प्रशासन को

घेरा है। संतोष बाफना का आरोप है कि विश्वविद्यालय ने भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की बजाए दूसरे प्रदेश के आवेदकों को प्राथमिकता दी जा रही है. उनके अनुसार पहले 59 फिर 162 शैक्षणिक पदों पर भर्ती की गई, लेकिन यूजीसी के नियमों का पालन इस भर्ती प्रक्रिया में नहीं किया गया। पूर्व विधायक ने

आरोप लगाया है कि दावा आपत्ति के लिए जारी की गई सूची में सिर्फ आवेदन नंबर जारी किये गए. जबकि आवेदकों की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, ऐसे में भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता सवालों के घेरे में है। भाजपा नेता के आरोपों का साथ का साथ कांग्रेस ने भी दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी भर्ती प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए उन्होंने सरकार से इस मामले में जांच समिति का गठन करने की भी मांग कर दी है. इसके साथ ही विधानसभा में कांग्रेसी विधायकों द्वारा मामले को उठाने की भी बात कही है

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महारुद्राभिषेक में हुए शामिल



को पावन श्रावण मास में महासमुंद के विशाल मेगा मार्ट परिसर में एक माह तक आयोजित महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर हवन-पूजन किया। उप मुख्यमंत्री साव ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना और अभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने भगवान शिव से प्रदेश में निरंतर विकास और जनकल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम में महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा सहित परिवारजन, पूर्व राज्य मंत्री श्री पुनम चंद्राकर, पूर्व सांसद श्री चुनौ लाल साहू, पूर्व विधायक डॉ. विमल चौपड़ा, श्री येतराम साहू और नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री देवी चंद राठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद थे।

प्रशिक्षित स्वच्छता निरीक्षक संघ ने उपमुख्यमंत्री साव से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वच्छता निरीक्षक संघ, मुख्यालय रायपुर के पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षित डिप्लोमाधारी स्वच्छता निरीक्षक अभ्यर्थियों ने शनिवार को जनदर्शन कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव से सौजन्य भेंट कर राज्य के नगर निगमों एवं नगर पालिकाओं में रिक्त स्वच्छता निरीक्षक पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने हेतु ज्ञापन सौंपा। संघ ने अवगत कराया कि वर्ष 2018 में 54 पदों पर भर्ती के पश्चात पिछले 6-7 वर्षों से स्वच्छता निरीक्षकों के अनेक पद रिक्त हैं। वर्तमान में अधिकांश सफाई कार्य एजेंसियों एवं ठेकेदारों के माध्यम से संचालित हो रहे हैं, जबकि उनके प्रभावी निरीक्षण, मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण के लिए प्रशिक्षित स्वच्छता निरीक्षकों की आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री साव ने आवेदन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को आवश्यक एवं उचित कार्रवाई हेतु तत्काल निर्देशित किया। संघ ने इस पहल का स्वागत करते हुए शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ होने की उम्मीद जताई।

जिले में 30 अगस्त को नीट-पीजी परीक्षा 2026 आयोजित

रायपुर। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित नीट-पीजी परीक्षा 2026 का आयोजन 30 अगस्त को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संचालित होगी। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर रायपुर उपेन्द्र किण्डो एवं पुलिस विभाग से सहायक पुलिस आयुक्त सुश्री नंदनी ठाकुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

राखी के लिये रविवार को खुले रहेंगे पोस्ट ऑफिस

रायपुर। रक्षाबंधन पर्व में जन सामान्य की सुविधा के लिए रविवार 23 अगस्त को राखी बुकिंग हेतु रायपुर संभाग के समस्त विभागीय डाकघर(जीपीओ, मुख्य डाकघर और उपडाकघर) के काउंटर खुले रहेंगे। इसके अलावा रविवार 23 अगस्त को रायपुर जीपीओ में आधार पंजीयन/अपडेशन का कार्य भी कार्यालयीन समय में उपलब्ध रहेगा।

उरकुरा गेट पर नई रेलवे लाइन बिछाने के कार्य हेतु सड़क यातायात रहेगा बंद

रायपुर। रायपुर रेल मंडल द्वारा समपार क्रमांक 414, उरकुरा गेट, किमी 823/10-08 पर नई रेलवे लाइन बिछाने का कार्य किया जाना है। इस कार्य के सुचारू एवं सुरक्षित निष्पादन हेतु 26 अगस्त सेआगामी आदेश तक, सामान्यतः तक, संबंधित समपार सड़क मार्ग पर आवागमन बंद रहेगा।.यह समपार मांडर-उरकुरा रेलखंड में स्थित है। कार्यस्थल का मार्ग डब्ल्यू.आर.एस.-उरकुरा पहुंच मार्ग, रेलवे परिसर, समपार क्रमांक 414, उरकुरा मेन गेट है। रेलवे द्वारा आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अनुरोध किया गया है कि उक्त अवधि में उरकुरा गेट से आवागमन न करें तथा वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें।

नगरीय निकायों को एल्टरमैन निधि के 9.44 करोड़ जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों हेतु कुल 9 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्टरमैन निधि जारी की है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत एल्टरमैन निधि की प्रथम किस्त की 50 प्रतिशत राशि विभाग द्वारा जारी की गई है। इस मद से मनोनीत पार्षदों (एल्टरमैन) की अनुरंशा पर विकास कार्य किए जाते हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। श्री साव ने नगरीय निकायों को इस निधि का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राज्य के 10 नगर निगमों में एल्टरमैन निधि के कुल 2 करोड़ 7 लाख रुपए जारी किए गए हैं। 53 नगर पालिकाओं में कुल 3 करोड़ 93 लाख रुपए और 102 नगर पंचायतों में कुल 3 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्टरमैन निधि विभाग द्वारा जारी की गई है।

राजधानी/छत्तीसगढ़

रक्षाबंधन से पहले बहनों को विष्णु भैया का महतारी वंदन उपहार

30 किस्तों में 19,444.33 करोड़ से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले छत्तीसगढ़ की बहनों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त के रूप में विशेष उपहार दिया है। 7 अगस्त 2026 को जारी 30वीं किस्त के साथ प्रदेश की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 19,444 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रक्षाबंधन से पहले खाते में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों को और बढ़ाने वाली सौगात बन गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बुाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित महतारी वंदन योजना अब महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन चुकी है। योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता सीधे डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है।

रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस बार पर्व से पहले महतारी वंदन की राशि मिलने से महिलाओं में विशेष उत्साह है। महिलाएं इस राशि से भाई के लिए राखी, मिठाई और उपहार खरीदने के साथ-साथ घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करते हुए रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रही हैं। महिलाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन की राशि देकर बहनों की खुशियों



को दोगुना कर दिया है। उनके लिए यह केवल एक हजार रुपये की मासिक सहायता नहीं, बल्कि अपने छोटे-बड़े फैसले स्वयं लेने का भरोसा और सम्मान का अहसास है। सूरजपुर जिले की श्रीमती तेज कुमारी, श्रीमती मंजू रजवाड़े, श्रीमती पुनिया प्रजापति, श्रीमती शहनाज बेगम, श्रीमती गणेश्वरी प्रजापति, श्रीमती मेनका रजवाड़े और श्रीमती लता केंवट जैसी महिलाओं ने बताया कि महतारी वंदन की राशि से वे बच्चों की पढ़ाई, कॉपी-किताब, पौष्टिक भोजन और दैनिक जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर भी यह राशि उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है।

महतारी वंदन योजना का सकारात्मक प्रभाव केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं है। अनेक महिलाओं ने नियमित मिलने वाली राशि को बचाकर स्वरोजगार की नींव रखी है। मुंगेली विकासखंड के ग्राम घुरेरा की

मानव-हाथी द्वंद्व कम करने में हाथी मित्र

दल की भूमिका महत्वपूर्ण: कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हाथी-मानव द्वंद्व को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वन विभाग द्वारा हाथी मित्र दल (हाथी मित्रान) के सदस्यों को मोटरसाइकिल और सुरक्षा किट (सुरक्षा उपकरण) प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य में वन्यजीवों के संरक्षण और जंगल से लगे इलाकों में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कोरबा प्रवास के दौरान पुतका पहाड़ का निरीक्षण किया और कॉफी प्लांट में हाथी मित्र दल के सदस्यों को सुरक्षा उपकरण (किट) वितरित किए।

वन मंत्री श्री कश्यप ने मैदान में तैनात हाथी मित्र दल के सदस्यों को काम के दौरान सुरक्षा संसाधन मुहैया कराने

हेतु सुरक्षा उपकरण सौंपे। मंत्री कश्यप ने कहा कि हाथियों की गतिविधियों को सतत निगरानी, ग्रामीणों को समय पर अलर्ट करने और मानव-हाथी टकराव के रोकने में दल की भूमिका बेहद अहम है। हाथियों को वन पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर जागरूकता और वन विभाग के मैदानी अमले के साथ समन्वय से द्वंद्व की घटनाओं को न्यूनतम किया जा सकता है।

मंत्री ने सदस्यों से उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं और मैदानी चुनौतियों की जानकारी ली तथा उन्हें सुरक्षित रहकर कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्री गोपाल मोदी, श्री जोगेश लांबा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस के बिजली सत्याग्रह का व्यापक प्रभाव: दीपक बैज

■ **स्मार्ट मीटर बदलने के लिए जनता स्वस्फूर्त फार्म भर रही**

रायपुर। कांग्रेस के द्वारा चलाया जा रहे बिजली सत्याग्रह को पूरे प्रदेश में जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता स्मार्ट मीटर बदलने की मांग के फार्म को लेकर घर-घर जा रहे हैं तो लोग स्वस्फूर्त हो कर आवेदन फार्म भर रहे हैं। जनता महंगी बिजली तथा स्मार्ट मीटर की रीढ़ों से परेशान हो चुकी है। अनाप-शनाप बिजली के कारण आम आदमी का बजट बिगड़ चुका है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता दो माह



तक प्रदेश के हर गांव, मुहल्ले, जिले एवं ब्लॉकों में स्मार्ट बिजली मीटर बदले तथा बिजली के दाम कम करने और 400 यूनिट तक बिजली

बिल हॉफ योजना पुनः शुरू करने के लिए घर-घर जा रहे हैं। लोगों के फार्म भरवाने के बाद इन फार्मों को जिला बिजली दफ्तर में जमा कराया जायेगा तथा उसकी पावती लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जायेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार ने जुलाई से घरेलू

उपभोक्ताओं के दाम में 30 से 50 पैसे तथा

गैर घरेलू में 20 से 40 पैसे की बढ़ोत्तरी किया

मोदी सरकार का मिनरल संशोधन अधिनियम 2026

छत्तीसगढ़ के हितो के खिलाफ है : भूपेश बघेल

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि संसद के पावन सत्र के बिना चर्चा के दोनों सदनों के द्वारा एक बेहद महत्वपूर्ण खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 जबरिया पारित कर दिया गया। यह कानून राज्यों के वित्तीय अधिकारों में कटीती है तथा देश के संघीय ढांचे (फेडरलिज्म) को कमजोर करता है। इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद राज्य सरकारें अपने राज्यों से निकलने वाले खनिजो पर कोई भी उत्तर (सेस) नहीं लगा सकती है। यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट के 2024 के उस ऐतिहासिक फैसले के प्रभाव को निष्प्रभावी करने के लिए षडयंत्र पूर्वक लाया गया है, जिसमें राज्यों को खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार दिया गया था। छत्तीसगढ़ जैसे खनिज संपदा वाले क्षेत्रों के स्थानीय और आदिवासी समुदायों के अधिकारों तथा उनके हितों की रक्षा से जुड़े प्रावधानों को नजरअंदाज किया गया है। वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बैंच ने फैसला दिया था कि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत भूमि राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस विधेयक ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया। अब केन्द्र टेक्स लेगा तथा राज्य के अधिकार सीमित हो गये है। यह कानून छत्तीसगढ़ जैसे राज्य जहां से कोयला आयरनओर, बाक्सआईड टिन जिनक जैसे खनिज बड़ी मात्रा में निकलता है, के आर्थिक हितो के खिलाफ है। केरला, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे राज्यों ने इस कानून के खिलाफ आवाज उठाई है। छत्तीसगढ़ सरकार क्यों मौन है ? डबल इंजन की सरकार का यही फायदा है ?

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य भर में बच्चे स्कूलों को शरण भवनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे है। धमतरी के बारना में, धमधा में, रायगढ़, मोहला मानपुर, बलौदाबाजार, सक्ती, सारंगढ़, बिलाईगढ़ में जेन अल्फा स्कूलों की बिल्डिंग की मरम्मत के लिये सड़को पर उतर कर आंदोलन को बाध्य हुये। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री की मरम्मत के लिये सड़को के तहत प्रदेश के लगभग 30,000 स्कूलों में मरम्मत और निर्माण कार्यों के लिए 1,807.68 करोड़ की कुल राशि का प्रावधान और आबंटन किया था, जिसमें से 1,191 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। बाद में सरकार बदलने के बाद भाजपा की साब सरकार ने इस योजना को खत्म करके शेष आबंटन को ही निरस्त कर दिया। भवनों का रखरखाव नियमित प्रक्रिया है लेकिन साय सरकार की दुर्भावना के चलते स्कूलों की हालत जरूर हो गई है, छत्तें टपक रही है, अनेको स्कूलों में शौचालय खराब हो चुके हैं, क्लास रूम बैठने लायक नहीं हैं, बच्चों की जान जोखिम में है। 10463 स्कूल बंद करने के बाद शेष स्कूलों की मरम्मत नही कर पा रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 09 जून 2026 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर यह जानकारी दिया कि राज्य सरकार ने 18.5 लाख प्रधानमंत्री आवास पूरा कर लिया है। इसी संबंध में रायपुर के सांसद बुजमोहन अग्रवाल लोकसभा में मिली जानकारी का हवाला देकर 11 अगस्त 2026 को बयान जारी किये है कि राज्य में 9.81 लाख प्रधानमंत्री आवास पूरा हुआ है। लोकसभा में मिली जानकारी के अनुसार कुल 15.45 लाख आवास का लक्ष्य पिछले 5 साल में रखा गया था जिसमें 13.55 लाख आवास

रायपुर/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी

महिला मोर्चा की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महासमुंद लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानाथी श्रीनिवासन से आत्मीय मुलाकात की। श्रीमती वानाथी श्रीनिवासन ने अपने आवास पर रूपकुमारी चौधरी का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की बहनों से भेंट और संवाद का अवसर भी मिला, जिसे रूपकुमारी चौधरी ने अत्यंत सुखद और हर्षपूर्ण बताया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भाजपा ने हाल ही में अपने नए राष्ट्रीय संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा की है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई राष्ट्रीय टीम में महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने यह जिम्मेदारी वानाथी श्रीनिवासन के स्थान पर संभाली है।

वानाथी श्रीनिवासन तमिलनाडु की वरिष्ठ भाजपा नेत्री हैं और कोयंबटूर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक रह चुकी



हैं। महिला मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन में देशभर की महिला कार्यकर्ताओं के साथ काम किया। ऐसे में उनके अनुभव और मार्गदर्शन को महिला मोर्चा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुलाकात के दौरान महिला मोर्चा की बहनों के साथ आत्मीय संवाद हुआ। संगठन में महिलाओं की भूमिका, महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर मिला। रूपकुमारी चौधरी ने इस मुलाकात को अपने लिए विशेष और प्रेरणादायी बताया।

बिहान से ग्रामीण परिवारों को मिल रहा आत्मनिर्भरता का नया आधार

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ‘बिहान’ एवं आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद पंचायत लखनपुर के तत्वावधान में ग्राम पंचायत स्तरीय मछली बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता करते हुए ग्रामीण परिवारों को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और

राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी

मिलने के बाद रूपकुमारी चौधरी संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय नजर आ रही हैं। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में महिला प्रतिनिधित्व को भी प्रमुखता दी गई है। पार्टी की 65 सदस्यीय नई टीम में 12 महिलाएं शामिल हैं, जबकि 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्षों में छह महिलाएं हैं। महिला मोर्चा की

राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में रूपकुमारी चौधरी के सामने देशभर में महिला कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने, महिला केंद्रित कार्यक्रमों को गति देने और पार्टी के महिला संगठन को बूध से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक और मजबूत करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वानाथी श्रीनिवासन से हुई यह आत्मीय मुलाकात इसी संगठनात्मक निरंतरता और वरिष्ठ नेतृत्व के अनुभव से नए नेतृत्व के जुड़ाव के रूप में देखी जा रही है। मुलाकात के दौरान महिला मोर्चा की बहनों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को आत्मीयता प्रदान की।

बीजेपी ने जेन-जी से जुड़ने बनाई टीम मंत्री ओपी चौधरी को मिला स्थान

रायपुर। बीजेपी ने जेन-जी यानी युवा वोटर्स को साधने के लिए नई टीम बनाई है। इस टीम में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी, गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी के साथ छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी शामिल हैं। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में पार्टी की नई 65 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई। इसमें नई टीम में शामिल सभी 12 महिला सदस्य भी शामिल हुईं। जानकारी के अनुसार, नई टीम जेन-जी के बीच जेन-जी आउटरीच प्रोग्राम चलाएगी। अभियान का नाम युवा संवाद दिया गया है। 14 से 25 साल के युवाओं को जोड़ने के लिए यह कार्यक्रम होगा। यह अभियान अगले माह से शुरू होगा।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) रायपुर (छ.ग.) Phone No. And Fax No.-0771-2426831 E-Mail-actd.raipur@nic.in			
// द्वितीय निविदा सूचना//			
छत्तीसगढ़ राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में लोक निर्माण निर्माण विभाग में पंजीकृत "द" श्रेणी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार प्रचलित एस.ओ.आर. के प्रतिशत दर पर (समस्त संशोधन सहित) निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-			
1 निविदा प्रारंभ की तिथि			:- 20.08.2026
2 आवेदन की अंतिम तिथि			:- 02.09.2026
3 विभाग द्वारा निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि			:-03.09.2026
4 निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि			:-09.09.2026 सयें 5.30 बजे
5 निविदा खोलने की तिथि			:- 10.09.2026 को अपराह्न 12.00 बजे
क्र.	कार्य का विवरण	कुल कार्यों की संख्या	कुल कार्यों की लागत राशि
1	आदिवासी संग्रहालय सेक्टर-24 नवा रायपुर अटल नगर मे महिला/पुरुष शौचालय, एयर कंडीशनर एवं आपातकालीन निकासी का निर्माण कार्य	05	48.58 लाख
(अड़तालिस लाख अंदावन हजार रूपये मात्र)			
टोप:- निविदा की शर्तें एवं कार्यो से संबंधित समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।			
सहायक आयुक्त आदिवासी विकास रायपुर			
जी-262702909/4			

वंदे मातरम् के अपमान से कांग्रेस के तुष्टिकरण की खुली पोल

प्रवीण गुगनानी

एक बंगाली कहावत है – मायेर स्तबेर अर्धेक ग्रहण, अर्धेक बर्जन, ए कैमन सन्तानेर भक्ति ? मातृभूमि के स्तुति गीत को आधा स्वीकारना और आधा त्यागना, यह किस प्रकार की संतान की भक्ति है ? भद्र बंगाल की सौ वर्षों की व्यथा, वेदना ही इस लोकोक्ति रूप में प्रकट हुई है। भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम का शायद ही कोई दूसरा गीत वन्दे मातरम् जितना भावात्मक, राजनीतिक और ऐतिहासिक रहा हो। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी की यह रचना केवल साहित्य नहीं अपितु वह स्वदेशी आन्दोलन, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय जागरण का उद्भट उद्घोष बनी थी। 15 अगस्त, 2026 को कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में कारित वृणित कृत्य से कांग्रेस का इस्लामिक डीएनए पुनः सिद्ध हो गया है। वंदे मातरम् के इस अपमान के समय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, दशक भर कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गो उपस्थित थे। दुस्साहस और दुर्भाग्य का विषय यह है कि इन तीनों ने ही वंदे मातरम् के अपमान के इस दुष्कृत्य को प्रारंभ किया था। इस दुर्भाग्यजनक घटना के बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं ने देश को स्पष्टीकरण देना प्रारंभ किया कि –सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् का अपमान नहीं किया बल्कि वे बुजुर्ग खड़गो जी को खड़े होने के कारण असहज होता देखकर उनके लिए कुर्सी मंगा रही थी। यहीं से कांग्रेस नेतृत्व की मूढ़ता, राष्ट्र अनास्था व मुस्लिम तुष्टिकरण के पक्ष में दुराग्रह रखने के चरित्र की पुनरावृत्ति दिखाई पड़ती है। इस घटनाक्रम के अंतरतत्व को समझिए। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व द्वारा ‘वंदे मातरम्’ का यह अपमान बुरा लगा इसलिए ही उन्होंने बिना केंद्र या प्रदेश नेतृत्व के कहे ही इस घटना पर कांग्रेस नेतृत्व का बचाव प्रारंभ कर दिया था। हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर लाखों पोस्ट डाली और कांग्रेस नेतृत्व का बचाव किया। यह ‘वंदे मातरम्’ और ‘मुस्लिम तुष्टिकरण को कांग्रेसी प्रवृत्ति’ के विरोध का प्रतीक था। इस मनोभाव को कांग्रेस के इटालियन नेतृत्व ने समझने का प्रयास ही नहीं किया। कांग्रेस ने इस घटना पर अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीं समझा तो भी कोई बात नहीं होती। कांग्रेस ने तो अपनी हठधर्मिता, अड़ियलपन, मति मूढ़ता की हद तो तब दिखा दी जब उसने अपनी राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी में ‘वंदे मातरम्’ को पूर्ण रूप में नहीं गाने के लिए प्रस्ताव ही पारित कर दिया। ‘वंदे मातरम्’ के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए। गांधी जी ने इसके समर्थन में अपनी स्पष्ट राय रखी थी, किंतु जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की अपनी राजनैतिक कुटिलताओं और प्रार्थमिकताओं के चलते गांधी जी की एक न चलने दी। इतिहास यह भी है कि, यह दुखद ऐतिहासिक पृष्ठ रहस्यमयी ही है। रहस्य यह कि – अंततः वह कौन सी कमजोर नस थी,, जिसके आधार पर नेहरू जी ऐसे निर्णय भी गांधी जी से करवा लेते थे जिनके लिए गांधी जी कभी भी तैयार नहीं थे। गांधी जी वंदेमातरम् विभाजन हेतु असहमत थे। गांधी जी बंग-भंगा हेतु भी सहमत नहीं थे। गांधी जी ने कहा था कि इस देश का विभाजन मेरी लाश पर होगा। गांधी जी स्वतंत्रता पश्चात् कांग्रेस को विर्सर्जित करने हेतु भी संकल्पित थे।

पुराण दिग्दर्शन

विश्व विद्या-निरुपणाध्यायः (दशम अध्याय)

(गतांक से आगे...)

कई द्रव्य ऐसे हैं कि जिनमें विद्युत्-शक्ति संक्रमण कर जाती है, और कई ऐसे हैं कि जिनसे वह पार नहीं जा सकती। साधारणतया एक घातु में व्याप्त हुई विद्युत्-शक्ति अपना धातु से टच हो जाने पर उसमें भी प्रवेश कर जाती है, परन्तु काष्ठादि पदार्थों में उसका कुछ भी प्रभाव नहीं होता। हम अपने शब्दों में ऐसे पदार्थों को ऋमशः अशुचि और शुचि के नामके व्यवहृत कर सकते हैं। पुराण ग्रंथोंमें उक्त अशुचि और शुचि सिद्धांत के अनुकूल संसार भर के पदार्थों का विभाग किया गया है। आज मूढलोग जिस भक्ष्य अभक्ष्य और सखरी निखरी को पोपलीला की उपाधि देते हैं वह सब इसी विज्ञान पर स्थित है। हम उदाहरणार्थ यहाँ एक दो विषयों की चर्चा करेंगे। पद्मपुराण कावर्तिकमाहाभ्य तथा अन्यान्य सभी पुराणों में भगवदुपासना या ध्यान आदि करने की विधि इस प्रकार लिखी है कि गाय के गोबर से भूमि लीप कर

कुशासन अथवा मृगचर्म बिछाना चाहिये, रेशमी या ऊनी वस्त्र पहन कर शिखा में गोंट लगाकर हाथ को ज्ञानमुद्रा से (अंगुठे और तर्जनी को कुण्डलाकार) युक्त करके बैठे।

अब पाठक यह विचारें कि यह सब कुछ विधान क्यों ? वास्तव में गोमर और कुशासन शुचि है। हम ध्यान एवं उपासना द्वारा जिस शक्ति का उपार्जन करते हैं वह पृथ्वी के आकर्षण के कारण नीचे की ओर से अपहृत न हो सके इसी उद्देश्य से कुशासनादि का विधान किया गया है। शिखा-बन्धन और ज्ञानमुद्रा का तात्पर्य यह है कि सीधे लम्बप्रायः पदार्थों से विद्युत्-शक्ति का अपसरण हो जाता है, परन्तु कुण्डलाकृत पदार्थ में वह सुरक्षित रहती है। इसलिये शिखा बांधने पर दशभ द्वारभूत कपाल मार्ग से और ज्ञानमुद्रा करके हाथों के रास्ते उपाजित शक्ति का अपसरण न हो सकेगा।

ऋमशः ...



ज्ञान/मीमांसा

राहुल गांधी की धरना-छाप राजनीति क्या गुल खिलाएगी?

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज

एक प्रदर्शनकारी छात्र साहिल लोचव को साथ लेकर पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचे और आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर 20 जुलाई के छत्र आंदोलन के दौरान कथित पेलेट गन कार्रवाई में घायल हुए छात्र की शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के बाद जब राहुल गांधी संतुष्ट नहीं हुए तो उन्होंने वहीं धरना शुरू कर दिया और संदेश साफ था, एफआईआर नहीं, तो धरना जारी रहेगा।

यहीं से सवाल उठता है कि राहुल गांधी आखिर किस लड़ाई को लड़ रहे हैं ? एक पीड़ित छात्र को न्याय दिलाने की कानूनी लड़ाई, पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय कराने की लड़ाई, या फिर छात्र राजनीति के उभरते मैदान में अपनी राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं ? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राहुल गांधी कोई सामान्य प्रदर्शनकारी नहीं हैं। वह देश की लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके पास संसद का मंच है, सरकार को जवाबदेह बनाने की संवैधानिक हैसियत है और पूरे विपक्ष की राजनीतिक आवाज बनने का अवसर भी। फिर कभी प्रधानमंत्री के घर के बाहर तो कभी थाने पहुंचकर धरने पर बैठ जाना क्या उस पद की गरिमा और जिम्मेदारी के अनुरूप राजनीति है ?

धरना देना लोकतंत्र में गलत नहीं है। सरकार और पुलिस के खिलाफ विरोध करना भी विपक्ष का अधिकार है। लेकिन जब देश का नेता प्रतिपक्ष पुलिस स्टेशन की सीढ़ियों पर बैठकर कहे कि जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, वह नहीं हटेगा, तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दबाव ही अब राहुल गांधी की प्राथमिक रणनीति बन गया है ?

यहां मामला और दिलचस्प इसलिए भी है क्योंकि राहुल गांधी जिस घटना को लेकर धरने पर बैठे, वह घटना अब केवल एक छात्र की शिकायत या पुलिस थाने की कार्रवाई तक सीमित नहीं रह गई है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन और उसके बाद पुलिस कार्रवाई का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। शीर्ष अदालत ने हाल में पुलिस की कथित ज्यादती और बल प्रयोग के आरोपों की जांच के लिए एक हाई-पावर्ड समिति गठित करने का फैसला किया है। साथ ही पुलिस अधिकारियों ने राहुल गांधी को यह भी बताया है कि 20 जुलाई की घटना से जुड़े कई मामले दर्ज हैं और उनकी



जांच क्राइम ब्रांच तथा स्पेशल सेल को सौंपी गई है।

यानी सवाल यह नहीं है कि साहिल लोचव की शिकायत पर अलग से कार्रवाई होनी चाहिए या नहीं। यदि किसी संज्ञेय अपराध की शिकायत है और कानून के अनुसार एफआईआर बनती है, तो कार्रवाई अवश्य होनी चाहिए। पीड़ित को न्याय मिलना ही चाहिए। लेकिन सवाल राहुल गांधी की राजनीतिक शैली का है। सवाल उठता है कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता को यह जानकारी नहीं थी कि मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है ? क्या उन्हें नहीं पता था कि घटना की जांच पहले से विभिन्न स्तरों पर चल रही है ? और यदि उन्हें यह सब पता था, तो फिर पुलिस स्टेशन के बाहर धरने का राजनीतिक उद्देश्य क्या था ?

यहीं से इस पूरी कहानी की जड़ तक जाना जरूरी है। सवाल उठता है कि जंतर-मंतर पर आखिर हुआ क्या था ? दरअसल, 20 जुलाई को दिल्ली में बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा व्यवस्था, कथित पेपर लीक और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे थे। आंदोलन का आयोजन कॉकरोच जनता पार्टी यानी छद्मक के नेतृत्व में हुआ था और प्रदर्शनकारियों की मांगों में परीक्षा प्रणाली में सुधार तथा शिक्षा से जुड़े सवाल प्रमुख थे। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव पैदा हुआ। आरोप लगे कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग किया, लाठीचार्ज किया और पेलेट गन का इस्तेमाल हुआ। कई वीडियो और तस्वीरों के बाद पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठे। राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाया और बाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया। लेकिन दिल्ली पुलिस का पक्ष बिल्कुल अलग रहा। पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि प्रदर्शन अवैध था और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अधिकतम संयम बरता। पुलिस का दावा है कि बल का इस्तेमाल हालात

बिगड़ने और हिंसा या अव्यवस्था की स्थिति पैदा होने के बाद किया गया। घटना के दौरान पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात भी सामने आई थी।

यही वजह है कि इस मामले को केवल एकतरफा राजनीतिक नारे में समेटना आसान नहीं है। यदि छात्रों पर अनावश्यक या अनुपातहीन बल प्रयोग हुआ है तो दोषियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लेकिन यदि प्रदर्शन के दौरान

हिंसा हुई और पुलिसकर्मों भी घायल हुए, तो जांच में उस पक्ष को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शायद इसी जटिलता के कारण सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति का महत्व बढ़ जाता है। इसलिए सवाल उठता है कि ऐसे में राहुल गांधी का धरना क्यों हो रहा है ? सवाल उठता है कि क्या यह न्याय के लिए दबाव है, या फिर राजनीतिक दृश्य रचने की कोशिश है ? दरअसल, राहुल गांधी की राजनीति में पिछले कुछ समय से एक पैटर्न दिखाई देता है। मुद्दा उठाइए, सरकार पर सीधा हमला कीजिए और फिर सड़क पर उतरकर उस मुद्दे को राजनीतिक प्रतीक में बदल दीजिए। यह रणनीति विपक्षी राजनीति में असरदार हो सकती है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के पद पर बैठे व्यक्ति से सवाल भी बढ़ा होता है। सवाल उठता है कि क्या हर मामले में धरना ही अंतिम राजनीतिक हथियार होना चाहिए ?

कभी प्रधानमंत्री के घर के बाहर धरने की राजनीति और अब पुलिस थाने पहुंचकर एफआईआर की मांग पर बैठ जाना...राहुल गांधी की यह छापामार शैली उन्हें सुखियां तो दिलाती है, लेकिन क्या इससे उनकी संस्थागत भूमिका कमजोर नहीं पड़ती ? संसद में सरकार से जवाब मांगना, दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाना, संसदीय जांच की मांग करना और न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करना, ये भी नेता प्रतिपक्ष के उतने ही महत्वपूर्ण हथियार हैं।

इसके अलावा, एक सवाल यह भी उठता है कि क्या यह छात्रों की राजनीति में राहुल गांधी की अपनी जगह बनाने की कोशिश है ? देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम का राजनीतिक संदर्भ भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कॉकरोच जनता पार्टी विभिन्न राज्यों में स्कूलों की स्थिति, शिक्षा व्यवस्था और छात्रों की समस्याओं को लेकर अभियान चलाकर लगातार सुखियां बटोर रही है। जंतर-मंतर का आंदोलन भी इसी व्यापक छात्र असंतोष का हिस्सा बनकर सामने आया था।

ऐसे में राहुल गांधी भी शायद यह संदेश देना चाहते हैं कि छात्रों की आवाज उठाने वाला सबसे बड़ा राष्ट्रीय चेहरा वही हैं।

साहिल लोचव के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचना, उनकी चोटों का मुद्दा उठाना और एफआईआर के लिए धरने पर बैठना, यह सब एक मजबूत राजनीतिक दृश्य भी है। सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी को लगने लगा है कि छात्र राजनीति का यह मैदान उनके हाथ से निकल सकता है ? क्या कॉकरोच जनता पार्टी के शिक्षा और स्कूलों से जुड़े अभियान ने राहुल गांधी को यह एहसास कराया है कि केवल संसद में भाषण देना काफी नहीं, बल्कि छात्रों के बीच जाकर अपनी मौजूदगी दर्ज करानी होगी ? या फिर यह राहुल गांधी की उस पुरानी राजनीतिक शैली का विस्तार है, जिसमें वह सत्ता के खिलाफ खुद को सीधे संघर्षरत व्यक्ति के रूप में पेश करना चाहते हैं ?

देखा जाये तो राहुल गांधी को छात्रों के साथ खड़े होने का पूरा अधिकार है। पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाना भी उनका कर्तव्य है। पेलेट गन के कथित इस्तेमाल की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग भी पूरी तरह वैध राजनीतिक मुद्दा है। लेकिन नेता प्रतिपक्ष की राजनीति केवल धरने की राजनीति नहीं हो सकती। जब सुप्रीम कोर्ट जांच की प्रक्रिया शुरू कर चुका हो, जब पुलिस के अनुसार संबंधित मामलों की जांच क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल कर रही हो, तब राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि उनका धरना जांच को किस तरह आगे बढ़ाएगा। अगर अलग शिकायत पर एफआईआर जरूरी है, तो उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत दर्ज कराया जाना चाहिए और उस प्रक्रिया की निगरानी की मांग की जानी चाहिए। लेकिन हर बार कैमरों के सामने धरना देकर राजनीतिक दबाव बनाना एक गंभीर सवाल छोड़ जाता है कि क्या राहुल गांधी व्यवस्था से लड़ रहे हैं, या व्यवस्था से लड़ने का दृश्य तैयार कर रहे हैं ? राहुल गांधी को समझना होगा कि छात्रों की आवाज बनने के लिए केवल पुलिस थाने की सीढ़ियों पर बैठना काफी नहीं। छात्रों को बेहतर परीक्षा व्यवस्था, मजबूत स्कूल, जवाबदेह संस्थाएं और ठोस शिक्षा नीति चाहिए। राहुल गांधी चाहें तो वह जो सुधार करना चाहते हैं वह कांग्रेस शसित राज्यों में शुरू करवा सकते हैं। राहुल गांधी को समझना होगा कि धरना तस्वीर बनता है, लेकिन राजनीति की असली परीक्षा तस्वीर के बाद शुरू होती है।

म्यूजिक की ट्रेनिंग लिए बिना सिंगिंग की दुनिया के बेताज बादशाह थे केके

अनन्या मिश्रा

बॉलीवुड के फेमस प्लेबैक सिंगर केके का 23 अगस्त को जन्म हुआ था। उनका पूरा नाम कृष्णकुमार कुश्र्थ है। वह इंडस्ट्री के टॉप सिंगर से से थे। सिंगर केके का जीवन काफी सरल था और उन्होंने कई फिल्मों में हिट गाने दिए थे। भले ही आज केके हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन उनके गाने लोगों की जुबान और दिल के करीब रहते हैं। केके की सिंगिंग की दुनिया का बेताज बादशाह कहा जाता है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने कभी गाना सीखा नहीं था।

दिल्ली में 23 अगस्त 1968 को केके का जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली के माउंट सेंट मेरी स्कूल से की है और किरोड़ीमल कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। फिल्मों से ब्रेक मिलने से पहले



केके ने करीब 35000 जिंगल्स गाए थे। साल 1999 में क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम को सपोर्ट करने के लिए जोश ऑफ इंडिया गाना गाया था। केके के गाने में कई भारतीय क्रिकेटर भी नजर आए थे। इसके बाद केके ने म्यूजिक एल्बम पल से बतौर गायक अपने करियर की शुरूआत की थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि सिनेमा जगत को हिट गाने देने वाले केके ने अपने पूरे जीवन में कभी भी सिंगिंग की ट्रेनिंग नहीं ली थी। केके हमेशा से आरडी बर्मन और किशोर कुमार

से प्रेरित थे। उन्होंने सलमान खान और ऐश्वर्या राय की फेमस फिल्म हम दिल दे चुके सनम का गाना तड़प-तड़प गाया है। इस गाने से सिंगर की जिंदगी बदल गई थी। साल 2000 में इन गाने के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। फिल्मों के अलावा उन्होंने शाका लाका बूम बूम, काव्यांजली, जस्ट मोहब्बत, हिप-हिप हुर्र जैसे शो के टाइटल गाने भी गाए थे।

उन्हें हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, बंगाली, असमिया और गुजराती सहित कई भाषाओं में गाने रिकॉर्ड करने के लिए व्यापक रूप से याद किया जाता है।

साल 2020 में केके को इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हुए थे। इसपर उन्होंने कहा था कि वह माइलस्टोन बनाने में बिलीव नहीं करते हैं। वह बोले थे, मुझे अभी बहुत काम करना है। मैं संतुष्ट हूं कि अपनी तरह का

काम किया है। मुझे लगता है माइल स्टोन के बारे में सोचूंगा तो फिर अंदर का आर्टिस्ट मर जाएगा, वह नहीं चाहता हूं मैं। केके अपनी किंदगी बदल गई, लेकिन उन्हें चेहरे से कम ही लोग पहचान हैं। उन्होंने खुद इस बात को माना था कि उन्हें लाइमलाइट में रहना खास पसंद नहीं है। इसीलिए मीडिया में उनकी तस्वीरें कम हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि कार्रवाई के बाद कई बार लोग आकर उनसे पृष्ठते थे कि क्या आप ही केके हैं ? उन्होंने कहा था कि उनके फैंस उन्हें जानते हैं लेकिन पहचानते नहीं हैं। कोलकाता के एक म्यूजिक इवेंट में 31 मई 2022 को केके परफॉर्म कर रहे थे। जब वह परफॉर्मस करने के बाद होटल पहुंचे, तो बेहोश होकर बिस्तर पर गिर गए। उसके बाद उनको जब हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया था।

आज का इतिहास

- 1821 मेक्सिको ने आजादी की घोषणा की।
- 1839 ब्रिटेन ने चीन के साथ युद्ध में हांगकांग पर कब्ज़ा किया।
- 1914 जापान द्वारा जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा।
- 1939 तत्कालीन सोवियत संघ और जर्मनी के के बीच गैर-आक्रामकता संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1947 वल्लभभाई पटेल भारत के उप प्रधानमंत्री बने।
- 1976 चीन में भूकंप से हजारों लोगों की मौत।
- 1979 ईरान की सेना ने कुर्दों के खिलाफ मोर्चा खोला।
- 1990 पूर्व और पश्चिम जर्मनी ने तीन अक्टूबर को एकजुट होने की घोषणा की।
- 1990 आर्मेनिया ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1993 सं.स. 2000 के ऐतिहासिक ओलंपिक खेलों की मेजबानी आस्ट्रेलियाई नगर सिडनी को सौंपी गई।
- 1997 सं.रा. अमेरिका के मिसौसिपी यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर को चार साल पहले मिला हल्दी का पेन्टेन् रह।
- 1999 इस्त्रायल और फ़िलिस्तीन के बीच मान्यता सम्बन्धी मुद्दों पर वार्ता पुनः प्रारम्भ।
- 2002 संयुक्त राज्य अमरीका ने मिसाइल रक्षा प्रणाली का परीक्षण रोका, इटली ने पाकिस्तान में वाणिज्य दूतावास बन्द करने की धमकी दी।
- 2003 बाजिल में एक अंतरिक्ष यान में प्रक्षेपण से पूर्व ही विस्फोट हो जाने से कम से कम 21 लोग मारे गये, पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने घोषित किया कि पाकिस्तान न्यूनतम सुरक्षात्मक हथियार कायम रखेगा।
- 2004 अमेरिका के विश्व स्मृति लिस्टपर-2007 में ऋव्देद की 30 पौंडुलिपियाँ शामिल की गई। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहे पाकिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री नवाज शरीफ को स्वदेश वापसी की अनुमति दी।
- 2008 शराखण्ड के मुख्यमंत्री मधु कोडा ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
- 2008 उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश महिला आयोग में 16 सदस्यों को नामित किया।
- 2012 राजस्थान में भारी बारिश से 30 लोगों की मौत हुई।
- 2013 लेयनान के त्रिपोली में मस्जिद पर हुये हमले में 50 लोग मारे गए।

क्या जेन-जी होना सुरक्षा नियम तोड़ने का लाइसेंस है?

नीरज कुमार दुबे

सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन-जी बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन-जी बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है?

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। एक अन्य विवरण में इसे मिनामार्ग या मिनीमार्ग चेक पोस्ट के पास अस्थायी सड़क प्रतिबंध से जुड़ा बताया गया है। वीडियो में दिख रही तस्वीर बेहद स्पष्ट है। एक तरफ शांत रहकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कराने की कोशिश करता जवान और दूसरी तरफ अपनी यात्रा, दूरी और अधिकारों का हवाला देकर

बहस करता पर्यटक समूह।

महिला पर्यटक का यह तर्क कि हम जेन-जी हैं, हम यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे, दरअसल उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें व्यक्तिगत सुविधा को व्यवस्था और सुरक्षा से ऊपर मान लिया जाता है। जेन-जी होना न कोई विशेष सुरक्षा पास है, न ही यह कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल को चुनौती देने का लाइसेंस है। सेना यह नहीं देखती कि सामने खड़ा व्यक्ति किस पीढ़ी का है; उसे यह देखना होता है कि सीमा सुरक्षित रहे, कोई संदिग्ध गतिविधि न हो और कोई नागरिक अनजाने में किसी खतरे की जद में न पहुंच जाए।

देखा जाये तो कारगिल और नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाके सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। यह वही संवेदनशील भूभाग है जहां भारत ने युद्ध का सामना किया है, जहां घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का इतिहास रहा है और जहां मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां तथा सैन्य गतिविधियां हर समय सुरक्षा की अलग चुनौतियां पैदा करती हैं। ऐसे में सड़क बंद होना, आवाजाही निर्यंत्रित होना, चेकिंग होना या किसी क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति मांगना कोई एंटी-टूरिस्ट रवैया नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा व्यवस्था है।

सेना और सुरक्षा एजेंसियों को वहां इसलिए तैनात रहना पड़ता है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में खतरे केवल दिखाई देने वाले नहीं होते। कई बार खुफिया सूचना के आधार पर



तलाशी या घेराबंदी की जरूरत पड़ सकती है। कभी सैन्य काफिले की आवाजाही होती है, कभी खराब मौसम या भूस्खलन के कारण रास्ता असुरक्षित हो जाता है और कभी किसी संभावित खतरे को देखते हुए नागरिकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाती है। ऐसे निर्णय किसी एक पर्यटक को परेशान करने के लिए नहीं हैं, बल्कि दर्जनों या सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए लिए जाते हैं।

बर्फाली चोटियों, दुर्गम सड़कों और हर वक्त मौजूद संभावित खतरे के बीच जवान इसलिए तैनात है ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहें और पर्यटन जैसी सामान्य गतिविधियां भी संभव हो सकें। ऐसे में किसी पर्यटक का जवानों से यह पूछना कि रास्ता आखिर क्यों बंद किया गया है, हर परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास मौजूद खुफिया जानकारी, किसी विशेष इनपुट या चल रहे ऑपरेशन का कारण

सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कई बार एक मामूली-सा खुलासा भी सुरक्षा अभियान और जवानों की जान को जोखिम में डाल सकता है।

देश पुलवामा में सुरक्षा बलों के काफिले पर हुए आतंकी हमले की भयावहता देख चुका है और पहलुगाम में पर्यटकों के निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले की त्रासदी भी झेल चुका है। ऐसे अनुभव साफ

बताते हैं कि संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को लेकर एक छोटी-सी चूक कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए पर्यटकों को यह समझना होगा कि जब सेना या सुरक्षा बल किसी रास्ते को बंद करते हैं या आगे बढ़ने से रोकते हैं, तो हर निर्णय के पीछे की वजह कैमरे के सामने बताना संभव नहीं होता। ऐसे में जवान से बहस करना, वीडियो बनाकर उस पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाना या सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करना केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की गंभीरता को न समझ पाने का उदाहरण है। सुरक्षा के मामले में सहयोग और धैर्य ही समझदारी है, क्योंकि कई बार जिस खतरे को आम नागरिक देख नहीं सकता, उसे रोकने के लिए ही जवान वहां खड़ा होता है।

साथ ही वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटक समूह के कुछ सदस्य यह कहते भी दिखाई देते

राष्ट्रभक्ति जगाने का मंत्र है वन्देमातरम्

डॉ. वन्दना सेन

‘वन्देमातरम्’ केवल दो शब्दों का उद्घोष नहीं है। यह भारत की आत्मा से निकला वह स्वर है, जिसमें मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, समर्पण, गौरव और राष्ट्रभक्ति का भाव एक साथ अभिव्यक्त होता है। जिस भूमि ने हमें जन्म दिया, जिसने हमें अन्न, जल, वायु और जीवन प्रदान किया, उसके प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का स्वाभाविक और नैतिक कर्तव्य है। इसलिए ‘वन्देमातरम्’ को किसी राजनीतिक दल, विचारधारा के चश्मे से देखना उसके व्यापक राष्ट्रीय अर्थ को सीमित करना होगा।

भारत की स्वतंत्रता-चेतना के इतिहास में ‘वन्देमातरम्’ का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वाधीनता आंदोलन के दौर में इसके उद्घोष ने असंख्य भारतीयों के भीतर राष्ट्रभक्ति की ऐसी लौ प्रज्वलित की, जिसने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। यह केवल गीत नहीं रहा; यह राष्ट्रीय जागरण का मंत्र बन गया था। इसके उच्चारण मात्र से लोगों के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का संकल्प जाग उठता था। यही कारण है कि ‘वन्देमातरम्’ भारतीय राष्ट्रीय चेतना के इतिहास में एक अमिट अध्याय के रूप में दर्ज है।

आज भी जब ‘वन्देमातरम्’ का स्वर वातावरण में गूँजता है तो उसके साथ देशभाव का उफान दिखाई देता है। विद्यालयों से लेकर सार्वजनिक समारोहों तक और स्वतंत्रता दिवस से लेकर राष्ट्रीय पर्वों तक, इसका उद्घोष लोगों को अपनी जड़ों और अपनी मातृभूमि से जोड़ता है। यह भाव किसी एक समुदाय, अपनी या राजनीतिक दल की संघर्ष नहीं हो सकता। भारत की विविधता में एकता की जो विराट भावना है, ‘वन्देमातरम्’ उसी भावना का सशक्त प्रतीक है। विरंडेना यह है कि जिस ‘वन्देमातरम्’ को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने भी स्वीकार किया और जिसके स्वर ने स्वतंत्रता संघर्ष को ऊर्जा दी, आज उसी के प्रति कांग्रेस के कुछ नेताओं की असहजता दिखाई देती है। प्रश्न स्वाभाविक है कि जो राष्ट्रगीत और राष्ट्रभाव कभी स्वतंत्रता संघर्ष के संकल्प का हिस्सा था, उसे आज राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनाया जा रहा है? यदि



किसी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति सम्मान व्यक्त करने में संकोच होने लगे, तो यह केवल राजनीतिक मतभेद का विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रभाव की व्यापक अवधारणा पर प्रश्न खड़ा करता है।

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में ‘वन्देमातरम्’ के प्रसंग को लेकर दिखाई देने वाली असहजता ने भी अनेक प्रश्नों को जन्म दिया। राष्ट्रीय पर्वों का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को तीखा करना नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना को मजबूत करना होना चाहिए। ऐसे अवसर पर दलगत सीमाएँ पीछे छूटनी चाहिए और भारत की एकता, अखंडता तथा गौरव सर्वोपरि होना चाहिए।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न संविधान के संदर्भ में उठता है। यदि ‘वन्देमातरम्’ के सम्मान या उसके उद्घोष को लेकर कोई विधिक व्यवस्था अस्तित्व में आती है, तो उसका पालन करना प्रत्येक नागरिक और संस्था का संवैधानिक दायित्व होगा। संविधान केवल राजनीतिक सुविधा के अनुसार उद्धृत करने की वस्तु नहीं है। संविधान अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी स्मृति कराता है। इसलिए जो राजनीतिक शक्तियाँ संविधान की रक्षा का दावा करती हैं, उन्हें संविधान की भावना और उसके अनुशासन का समान रूप से सम्मान करना चाहिए।

वस्तुतः राष्ट्रगीत, राष्ट्रान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल की राजनीतिक पूँजी नहीं हैं। वे करोड़ों भारतीयों की सामूहिक भावनाओं के प्रतीक हैं। ‘वन्देमातरम्’ के संदर्भ में भी यही दृष्टि अपनाई जानी चाहिए। इसके साथ किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ-

हैं, लेकिन इस घटना को केवल मनोरंजन के रूप में देखने की बजाय इससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। कैमरे के सामने हंगामा करके वायरल होना आसान है, लेकिन सीमा की सुरक्षा में एक छोटी-सी चूक की कीमत कितनी बड़ी हो सकती है, इसका अंदाजा वहां तैनात जवान को हमसे कहीं बेहतर है।

यह चेतावनी केवल उस महिला पर्यटक के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो सोशल मीडिया की लोकप्रियता, व्यक्तिगत सुविधा या पीढ़ीगत पहचान के नाम पर सुरक्षा नियमों को हल्के में लेते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा किसी हैशटैग, नारे या वायरल वीडियो के हिसाब से नहीं चल सकती। सीमा पर तैनात सैनिक को अपना काम करने दीजिए। यदि रास्ता बंद है तो रुकिए, यदि अनुमति चाहिए तो परमिट लीजिए और यदि सुरक्षा बल वापस लौटने को कहें तो सहयोग कीजिए।

देखा जाये तो इस घटना ने एक जरूरी संदेश जरूर दे दिया है कि यात्रा का अधिकार जिम्मेदारी के साथ आता है और राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने व्यक्तिगत सुविधा का कोई दावा नहीं चल सकता। सीमा की हकीकत को सभी को समझना होगा। जेन जी हो या कोई भी हो, वर्दी का सम्मान कीजिए, प्रोटोकॉल का पालन कीजिए और याद रखिए, जवान आपको आजादी रोकने के लिए नहीं, आपको सुरक्षा और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वहां खड़े हैं।

संसदीय गतिरोध के अनुत्तरित सवाल, 173 कार्य घंटे बर्बाद

राजकुमार सिंह

पिछले सप्ताह समाप्त मानसून सत्र में 19 प्रतिशत कामकाज ही हो पाया और 173 कार्य घंटे बर्बाद हो गए। दो महत्वपूर्ण विधेयक मात्र 14 मिनट की चर्चा में पारित कर दिए गए तो 11 बिना किसी चर्चा के। जाहिर है, संसद में काम कम हुआ और हंगामा ज्यादा तो उसके लिए कोई जिम्मेदार भी होना ही चाहिए। हमारी संसदीय राजनीति में हंगामे के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराने की परंपरा बन गई है। पर विपक्ष और सत्तापक्ष की भूमिकाएँ बदलते ही सोच और भाव-भंगिमाएँ बदल जाना दरअसल गैरजिम्मेदार अवसरवादी राजनीति ज्यादा है। 2014 से पहले दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष रहे सुषमा स्वराज और अरुण जेटली सदन चलाना सत्तापक्ष की जिम्मेदारी तथा गतिरोध को भी संसदीय राजनीति का संवैधानिक उपकरण बताते थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा की सोच बदल गई है। तब संसदीय गतिरोध के लिए भाजपा को कठघरे में खड़ा करनेवाली कांग्रेस अब अपनी वैसी ही भूमिका को सर्वथा लोकतांत्रिक ठहरा रही है। संसदीय गतिरोध और उसके जरिये सड़क की राजनीति का एजेंडा तय करने की प्रवृत्ति नई नहीं है, पर उसका बढ़ते जाना खतरनाक है।

दशकों तक अलग रहे संसद और सड़क की राजनीति के तैवर और भाषा अब तेजी से गड्ढामुड्ड होते दिख रहे हैं तो उसके मूल में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता भी है। पहले जो विरोध वैचारिक या मुद्दा आधारित होता था, अब वह दलगत रंजिश का नेतृत्व की आपसी नफरत में बदल गया है। इसीलिए एक-दूसरे पर टिप्पणी करते हुए भाषायी मर्यादा भी आए दिन तार-तार की जा रही है। वैसे संसदीय गतिरोध में रास्ता निकालने की कवायद



सदन के सभापति और संसदीय कार्य मंत्री कर सकते हैं, पर इन दोनों के विपक्ष से संबंध सहज नहीं हैं। यह संसदीय लोकतंत्र की सुखद तस्वीर नहीं, पर क्या आपको किसी के चेहरे पर शिकन भी नजर आती है? संसद बाधित होने से दरअसल न सत्तापक्ष को फर्क पड़ता है और न विपक्ष को। बिना बहस और जवाबतलबों के विधेयक पारित हो जाएँ – सत्तापक्ष के लिए इससे बेहतर स्थिति क्या हो सकती है? दोनों ही सदनों में अल्पमतवाले विपक्ष को भी संसद से बाहर सड़क और चुनाव की राजनीति के लिए अपने मुद्दों को धार देने का मौका मिल रहा है। दोनों एक-दूसरे को अलोकतांत्रिक बता रहे हैं, पर जनता सब जानती है।

संसद की कार्यवाही पर प्रति मिनट ढाई लाख रूपए खर्च के आंकड़े पुराने हैं। बढ़ती महंगाई में यह खर्च बढ़ा ही होगा, लेकिन सिर्फ़ इसी खर्च की चर्चा और चिंता क्यों? दोनों सदनों के लगभग साढ़े सात सौ सांसदों के वेतन-भत्तों और सुख-सुविधाओं पर भी तो करदाताओं की गाढ़ी कमाई खर्च होती है। अगर ये माननीय संसदीय कार्यवाही और चर्चा की अपनी प्राथमिक संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वाह ही नहीं कर रहे तो और आखिर क्या करते होंगे?

पेपर लीक, चंदा चोरी, वंदे मातरम पर कांग्रेस अभियान घोषित

राहिल नोरा चोपड़ा

कांग्रेस ने पेपर लीक और राम मंदिर के दान से जुड़े कथित चंदा चोरी पर राष्ट्रव्यापी अभियान घोषित किया। पार्टी की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था ने यह भी संकल्प लिया कि उसके कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल पहले दो छंद ही गाए जाएँगे। कांग्रेस की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था ने अपने रुख का समर्थन करने के लिए 1937 के सी.डब्ल्यू.सी. प्रस्ताव का हवाला दिया और तर्क दिया कि महात्मा गांधी और रबींद्रनाथ टैगोर सहित स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं ने वंदे मातरम की सार्वजनिक प्रस्तुति को पहले दो छंदों तक सीमित रखने का समर्थन किया था। अपनी शुरुआती टिप्पणी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छात्रों के मुद्दों पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि युवा पार्टी की सामूहिक चिंता का प्राथमिक केंद्र हैं और युवाओं के लिए एक व्यापक और समयबद्ध शिक्षा से रोजगार मार्ग की मांग की। पार्टी ने कहा कि छात्रों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के उद्देश्य से उसका ‘छात्रों की गूँज’, कार्यक्रम लगभग 800 शहरों में आयोजित किया जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कुछ कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद है। सीडब्ल्यूसी ने महिला आरक्षण के तत्काल कार्यान्वयन और लोकसभा की वर्तमान संख्या को अगले 25 वर्षों के लिए 543 सीटों पर स्थिर रखने की अपनी मांग को भी दोहराया। पार्टी चाहती है कि 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू किया जाए, जबकि प्रस्तावित फ़ीज के दौरान राज्यों के बीच सीटों का वर्तमान आवंटन बरकरार रखा जाए।

शुद्धिकरण का अनुष्ठान विवाद अब संसद में : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा उपयोग किए गए रैली स्थल पर आयोजित एक शुद्धिकरण अनुष्ठान को लेकर शुरू हुआ विवाद अब उत्तराखंड से संसद और कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) तक पहुंच गया है। जो एक स्थानीय घटना के रूप में शुरू हुआ था, वह अब जाति, गरिमा और अस्पृश्यता जैसे गंभीर मुद्दों पर एक व्यापक राजनीतिक लड़ाई में बदल गया है। खरगे एक सप्ताह पहले हल्द्वानी



में उनके दौरे के बाद आयोजित ‘शुद्धिकरण हवन’ का जिक्र कर रहे थे।

जबकि एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने जवाब दिया कि कांग्रेस ने घटना की निंदा की थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि अनुष्ठान के पीछे के लोग भाजपा से जुड़े थे और कहा कि यह एक जातिवादी मानसिकता को दर्शाता है। खरगे ने राज्यसभा में भी यह मुद्दा उठाया था, यह कहते हुए कि इस घटना ने उन्हें अपमानित महसूस कराया और अस्पृश्यता की ठीस वापस ला दी। राज्यसभा में उन्हें जवाब देते हुए, केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, कहा कि इसमें कोई भाजपा सदस्य शामिल नहीं था और आश्वासन दिया कि जांच की जाएगी। इस बीच, खरगे ने किसी नेता का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह भी इशारा किया कि पार्टी के कुछ नेता ऐसी टिप्पणियां फैलाने और लेख लिखने के आदी हैं जो कांग्रेस के रुख के अनुरूप नहीं हैं।

बसपा की ब्राह्मण समुदाय तक एक स्पष्ट पहुंच : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अपने विश्वासपात्र और पार्टी के ब्राह्मण चेहरे, सतीश चंद्र मिश्रा को चुनावों से संबंधित एक प्रमुख भूमिका दी है। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा अब चुनाव आयोग से संबंधित मामलों को संभालने के अलावा बसपा की कानूनी और मीडिया टीमां का नेतृत्व भी करेंगे। मिश्रा के लिए यह विस्तारित भूमिका तब आई है जब बसपा एक बार फिर ब्राह्मण समुदाय तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रही है, और 2007 की अपनी सफल सामाजिक इंजीनियरिंग रणनीति के समानांतर उदाहरण पेश

कर रही है। मायावती ने संकेत दिया है कि पार्टी समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए काम कर रही है, जिसमें उन्हें बसपा टिकट देना भी शामिल है।

राहुल गांधी के ‘छात्रों की गूँज’ : पुणे में, ‘राहुल गांधी के छात्रों की गूँज’ अभियान के अगले गंतव्य पर, प्रारूप में एक बदलाव है। 22 अगस्त को होने वाली यह बातचीत विशेष रूप से महिला छात्राओं के लिए होगी। यह कार्यक्रम शिक्षा, सुरक्षा, समानता, प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर के अवसरों पर जोर देगा। कांग्रेस के अनुसार, कार्यक्रम में 8,000 से 10,000 छात्राओं के शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, राहुल गांधी ने शिक्षा क्षेत्र के मुद्दों और छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को उजागर करने के लिए 17 जून को राजस्थान के कोचिंग हब कोटा से अभियान शुरू किया था।

उन्होंने 17 जुलाई और 8 अगस्त को क्रमशः देहरादून और प्रयागराज में आऊटरीच कार्यक्रम के दूसरे और तीसरे चरण को संबोधित किया। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पुणे में 22 अगस्त की 30 शर्तों के साथ अपना प्रस्तावित छात्रों की गूँज कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मिल गई है, जिसमें आपत्तिजनक बैनर या छवियां पर प्रतिबंध लगाना और आयोजकों को धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने का निर्देश देना शामिल है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक गतिविधियां तेज : पश्चिम बंगाल में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं क्योंकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तुष्टमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल बार काउंसिल पर नियंत्रण कर लिया है, और 23 निर्वाचित सीटों में से 15 पर जीत हासिल की है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता में आने के बावजूद, पार्टी वकीलों की इस संस्था में केवल तीन सीटें ही हासिल कर सकी। ये परिणाम विधानसभा चुनाव के नतीजों से बिल्कुल विपरीत हैं, जो कानूनी बिरादरी के वर्गों के बीच टी.एम.सी. के निरंतर प्रभुत्व का संकेत देते हैं। 23 निर्वाचित सीटों में से, टीएमसी ने 15 जीतों, जबकि भाजपा और वाम मोर्चा ने तीन-तीन सीटें हासिल कीं और कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं।

फेग शुई के स्वास्थ्य संबंधी उपाय



लाभदायक हैं।

2. शीशे की तरफ मुंह करके ना सोएं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसके अलावा सोते समय सामने दर्पण या वाटर प्लांट, एक्वेरियम, झील और नदी की पेंटिंग नहीं होनी चाहिए।
3. उस कमरे में ना सोएं जिसके ऊपर टॉयलेट या वार्शिंग मशीन स्थित हैं।
4. घर में लगे बीम के नीचे न सोएं क्योंकि यह सिरदर्द का कारण होता है।

इस संसार में पैसा और हीरे जवाहरात ईसान को अच्छा स्वास्थ्य खरीद कर नही दे सकते। अच्छे स्वास्थ्य के बिना आप खुशियों का भरपूर आनंद नहीं ले सकते। व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो सब कुछ ठीक है। फेंगशुई में स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के लिए कई आसान उपाय बताये गये हैं। स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के यह उपाय हैं।

1. अगर आप अपना स्वास्थ्य सुधारना चाहते हैं तो हमेशा अपनी निजी शुभ दिशा की ओर सिर करके सोएं। यह शुभ दिशा आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत

5. एक लंबे गलियारे के अंत में स्थित कमरे में सोने से बचें या एक कमरा जिसका दरवाजा सीधे सीढ़ियों की तरफ खुलता हैं। ऊर्जा का मजबूत प्रवाह कमरे में रहने वालों के लिए बीमारी लाने वाला साबित होगा।
6. कमरे के तेज किनारों और आगे को निकलने वाले कोनों को भी देखे जो कमरे में हानिकारक जहर के तीर भेजने का काम करते हैं।
7. अपने घर के पूर्वी भाग को विशेष रूप से ऊर्जावान बनाएं, क्योंकि यह क्षेत्र स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतिनिधित्व करता है।

जब संत ने दिया सुख का मंत्र

एक राजा था। वह बड़ा निडर और उदार था। उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी। एक दिन राजा एकांत में बैठा सोच रहा था। सोचते-सोचते वह गहराई में उतर गया। उसे लगा, इतनी सारी सुख-निधि पाकर भी आदमी दुःखी क्यों है। एक दिन उसने अपने दरबारियों को आज्ञा दी कि सबसे सुखी और तन्दुरुस्त आदमी को पकड कर लाओ। दरबारी और प्रजा हैरान। वे राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए बहुत भटके, पर राजा जैसा चाहता था, वैसा एक भी आदमी नहीं मिला। उन्होंने दरबार में आकर राजा से कहा, ‘हे राजन इस धरती पर पूर्ण सुखी और स्वस्थ कोई भी ईसान नहीं है। किसी को कोई दुख है तो किसी को कोई।’ सुनकर राजा स्तब्ध रह गया। फिर बोला, ‘तो क्या मेरे राज्य में सब दुखी और बीमार हैं। इस धरती पर कोई भी सुखी नहीं है। नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जाओ, एक बार फिर खोजो।’ दरबारी क्या करते! फिर निकले। घूमते-घूमते वे एक निर्जन और वीरान जंगल से गुजरे। देखा, एक संत ध्यान में लीन हैं। वे वहीं जाकर बैठ गए।

ध्यान खुलने पर संत ने पूछा, ‘तुम लोग कौन हो।’ कहाँ से आए हो।’ दरबारियों ने कहा, ‘हम राजा की आज्ञा मानकर सबसे सुखी और स्वस्थ प्राणी को खोजने निकले हैं।’ सुनकर संत बोले, ‘क्या तुम्हें अब तक ऐसा कोई आदमी मिला है।’ दरबारियों ने कहा, ‘नहीं’ इसके बाद साधु उनके साथ राजा के पास गए। राजा संत को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। संत ने कहा, ‘राजन! तुम व्यर्थ ही परेशान होते हो। क्या तुम्हें पता है कि मनुष्य के हृदय में ही सुख का अपार भंडार भरा

पड़ा है। जरा टटोलो तो अपने को। सुख की खोज में जैसे कस्तूरी मृग इधर-उधर भटकता है, वैसे ही तुम भटक रहे हो। सुख के लिए बाहर नहीं, भीतर देखना होता है।’ राजा का हृदय पुलक उठा। उसकी समस्या हल हो गई। चूहा और गिलहरी एक था चूहा, एक थी गिलहरी। चूहा शरारती था। दिन भर ‘चीं-चीं’ करता हुआ मौज उड़ाता। गिलहरी भोली थी। ‘टी-टी’ करती हुई इधर-उधर घूमा करती।

संयोग से एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया। अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, ‘मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में खूब जानते हैं। मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं।’ मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बहुत बुरा लगा। बोली, ‘भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं। यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है, तो इससे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते। इनका उपयोग करो तो जानूँ। जहां तक मेरा सवाल है, मुझमें तुम सरीखा कोई गुण नहीं है।’

मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस ये ही मेरी खास चीज है। जो दाना-पानी मिल जाता है, उसका कचरा साफ करके संतोष से खा लेती हूं।’ चूहा बोला, ‘तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है।’ गिलहरी बोली, ‘वाह! तुम्हें पता नहीं। आसपास दो काली धारियां हैं, उनके बीच में एक सफेद है। इनका मतलब है कि कठिनाइयों की परतों के बीच से ही असली सुख झांकता है। दो काली अंधेरी रातों के बीच में ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है।’



घर में शांति के लिए रखें गुलदस्ता

बदलते दौर में वास्तु का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। आजकल कई बड़े-बड़े बिल्डर व इंटीरियर डेकोरेटर भी घर बनाते व सजाते समय वास्तु का विशेष ध्यान रखते हैं। वास्तु के अनुसार ही वे कमरे की बनावट, उनमें सामान की साज-सज्जा करते हैं। इससे घर की खूबसूरती बढ़ने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रवाह होता है। वास्तु के अनुसार घर की सजावट करते समय निम्न बातों का ध्यान रखें—

- घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक अथवा ॐ की आकृति लगाने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।
- जिस भूखंड या मकान पर मंदिर की पीठ पड़ती है, वहां रहने वाले आए-दिन आर्थिक व शारीरिक परेशानियों में घिरे रहते हैं।



- समृद्धि की प्राप्ति के लिए नॉर्थ-ईस्ट दिशा में पानी का कलश अवश्य रखना चाहिए।
- घर में ऊर्जामय वातावरण बनाने में सूर्य की

विविध

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का जयंती मेला एवं झूलनोत्सव

भारत की भूमि को देवताओं की क्रीड़ा स्थली होने के कारण परम पावन माना जाता है। इस पावन भूमि में मर्यादा पुरुष-ोत्तम भगवान श्रीराम, लीलाधारी श्री कृष्ण, महात्मा बुद्ध एवं महावीर स्वामी जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया। गीता के श्लोक यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत के अनुसार जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतार लेते हैं। ईश्वर ने स्वयं पग-पग पर अनेकों चमत्कारों से मानव को सही राह दिखायी है।

दिव्य जन्म और बाल लीलाएँ
इसी प्रकार सन् 1895 में श्रावण शुक्ल दशमी को राजस्थान के झुंझुनू नगर में श्री झुथाराम एवं लक्ष्मी देवी जी के आँगन में एक दिव्यात्मा ने जन्म लिया, जिन्हें आज लोग विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के नाम से घर-घर में पूज रहे हैं। जन्म के उपरांत बाबा गंगाराम जी ने बालपन में झुंझुनू नगर में बहुत-सी लीलाएँ कीं। तत्पश्चात उन्होंने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी नगर को अपनी कर्मभूमि बनाया, जहाँ बाबा गंगाराम जी ने अनेकानेक कल्याणकारी चमत्कार किये। सूखाग्रस्त उस नगर में बाबा गंगाराम जी ने चमत्कारी रूप से जल की पावन धारा प्रवाहित की, जिसे आज भी कल्याणी नदी के नाम से सब जानते हैं। कल्याणी नदी के समीप ही एक वटवृक्ष के नीचे बाबा गंगाराम जी समाधि में लीन रहते थे तथा वहीं उन्होंने अपने आराध्य शिव जी की स्थापना की। एक समय कल्याणी नदी में स्नान करते हुए वहाँ खड़े भक्तों को बाबा गंगाराम जी ने नदी के जल में श्री हरि विष्णु भगवान के दर्शन करवाए।

स्वधाम गमन और मंदिर स्थापना का दिव्य आदेश
इस प्रकार विभिन्न लीलाएँ करते हुए मात्र 42 वर्ष



की आयु में बाबा गंगाराम जी ने पृथ्वी लोक छोड़कर स्वधाम प्रस्थान किया। कुछ समय उपरांत बाबा गंगाराम ने अपने परम भक्त देवकीनंदन को स्वप्न में दर्शन देकर बताया कि वह जगत् कल्याण हेतु पृथ्वी लोक पर विष्णु अवतार बाबा गंगाराम के रूप में आए हैं तथा यह आदेश सुनाया कि राजस्थान के झुंझुनू में श्री लक्ष्मी माता, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान तथा श्री दुर्गा माता सहित बाबा गंगाराम जी के मंदिर की स्थापना करें, जहाँ आने वाले सभी भक्तों के सभी बिगड़े काम बनेंगे। आदेशानुसार सन् 1975 में भक्त देवकीनंदन ने अपनी धर्मपत्नी देवी गायत्री जी के साथ मिलकर झुंझुनू में बाबा गंगाराम जी के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना

करवाई। आज बाबा गंगाराम जी के अनगिनत चमत्कार भक्तों के साथ होते रहते हैं एवं बाबा गंगाराम जी के भक्तों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। जो भी बाबा गंगाराम जी की भक्ति करता है, उसकी समस्त मनोकामनाएँ बाबा गंगाराम जी अवश्य पूरी करते हैं।

इस वर्ष का भव्य जयंती मेला एवं झूलनोत्सव आज
प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रावण शुक्ल दशमी, 22 अगस्त 2026 को झुंझुनू नगर में बाबा गंगाराम धाम श्री पंचदेव मंदिर में बाबा गंगाराम जयंती मेला तथा झूलनोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश से भारी संख्या में भक्त आएंगे। इस आयोजन में बाबा गंगाराम जी का सामूहिक अमृतवाणी पाठ विश्वविख्यात कलाकारों द्वारा किया जाएगा तथा

शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। भव्य झूलन-श्रृंगार, छप्पन भोग एवं महाआरती इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहेंगे। बाबा गंगाराम सेवा समिति द्वारा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।



बाल भी बताते हैं व्यक्ति के गुण, स्वभाव और मनोवृत्ति

बालों के रूप में मस्तिष्क के विचार भी प्रकट होते हैं। बालों को देखकर आप किसी व्यक्ति के गुण, स्वभाव और उसकी मनोवृत्ति को आसानी से जान सकते हैं।

सीधे बाल वाले व्यक्ति स्पष्टवादी, सरल और खुले दिल के होते हैं। घुंघराले बाल वाले व्यक्तियों में निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है। घुंघराले बाल वाले धैर्यहीन, संकोची और अस्थिर होते हैं। लहरदार बालों लोग मनमौजी, अतिक्रोधी, कर्मठ, कामुक, मतलबी और परिवर्तनशील होते हैं। ऐसे लोगों का मन हर क्षण बदलता रहता है।

रूखे बाल निम्नकोटि की मानसिक बौद्धिक क्षमता का प्रतिक हैं।

ऐसे लोग व्यवहार से कठोर और अल्पबुद्धि होते हैं। नरम एवं पतले बाल वाले मन से शुद्ध, सरल, भावुक, अबोध व निर्मल दिल के होते हैं। ऐसे व्यक्तियों का स्वभाव बच्चों की तरह सरलहोता है।

ऐसे व्यक्ति उच्चा कोटी के कलाकार, दार्शनिक या समाज सेवक हो सकते हैं। मोटे बालों व्यक्ति में जीवनी शक्ति की प्रचुरता, कठोर परिश्रम करने वाले और धैर्यवान होते हैं। ऐसे व्यक्ति इरादे के पक्के और खान-पान के शौकीन होते हैं।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

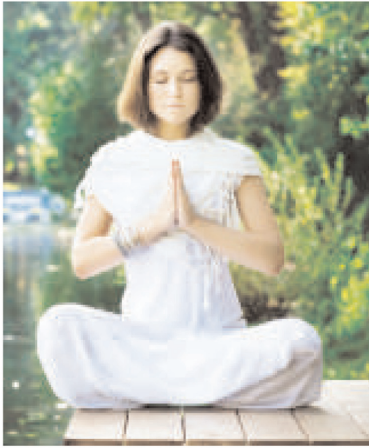
कुशाः काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दकाः। गोधूमा ब्राहमयो मौञ्जा दश दभा : सबल्वजाः।।

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व

हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल
कुशग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे



मानसिक शांति मिलती है।

जब श्रीकृष्ण पर लगा चोरी का आरोप

एक दिन सत्राजित भगवान सूर्य द्वारा प्रदत्त स्यमंतकमणि धारणकर श्रीकृष्ण से मिलने आए। मणि के प्रकाश को देखकर यदुवंशी बोले- ‘हे कृष्ण, यह मणि तो राजा उग्रसेन जी को अच्छी लगेगी। अतः आप यह मणि लेकर राजा उग्रसेन को दे दें। श्रीकृष्ण ने भी हंसकर सत्राजित से कहा- ‘सत्राजित, तुम यह मणि हमारे राजा को दे दो।’ परंतु यह सुनकर सत्राजित सभा से उठकर चले गए।

घर पहुंचकर सत्राजित ने भाई प्रसेनजित को सारा प्रसंग कह सुनाया। प्रसेनजित मणि पहनकर शिकार खेलने के लिए जंगल में चले गए। जंगल में एक मृग का पीछा करते-करते प्रसेनजित एक ऐसी गुफा में पहुंच गए, जहां घोर अंधेरा था। गुफा में शेर रहता था। उस शेर ने प्रसेनजित पर हमला करके उसे मार दिया और मणि गुफा में ले गया। मणि के प्रभाव के कारण गुफा सूर्य की तरह जगमगा उठी।

वहीं जामवंत निवास कर रहे थे। जब उन्हें गुफा में मणि होने की बात पता चली, तो उन्होंने शेर को मारकर मणि प्राप्त कर ली और मणि को अपनी बेटी के पालने से बांध दिया। उधर प्रसेनजित ने अपने मन की बात पत्नी को बता दी। सत्राजित की पत्नी ने यह बात अपनी पड़ोसन से कह दी। पड़ोसन से यह बात आगे फैलने लगी। फैलते-फैलते यह बात भगवान श्रीकृष्ण तक भी पहुंच गई। तब श्रीकृष्ण ने स्वयं पर लगा यह लांछन दूर करने के लिए प्रण किया कि वह सारा भेद स्पष्ट करेंगे तथा मणि को वापस लेकर आएंगे।

वह दल-बल सहित मणि की तलाश में निकल पड़े। रास्ते में उन्हें घोड़े के पैरों के चिह्न दिखाई दिए।



आगे जाने पर घोड़े व प्रसेनजित का शव भी मिल गया। वहाँ पर सिंह के पैरों के निशान देखकर सबने अंदेशा जताया कि यह सब सिंह ने किया है। सिंह के पैरों के निशानों के पीछे-पीछे श्रीकृष्ण गुफा में चले गए। वहाँ पर सिंह भी मरा मिला, परंतु मणि नहीं मिली।

श्रीकृष्ण गुफा में भीतर पहुंचे तो जामवंत की पत्नी डरकर चिल्लाने लगी। फिर जामवंत व श्रीकृष्ण में घोर युद्ध हुआ। जब जामवंत श्रीकृष्ण को पराजित न कर पाए, तो उन्होंने मन ही मन प्रभु श्रीराम का स्मरण किया।

भगवान श्रीकृष्ण ने जामवंत को श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए। भगवान के दर्शन करके वह धन्य हुए तथा उन्होंने मणि व अपनी पुत्री श्रीकृष्ण को सौंपकर उनसे क्षमा मांगी। श्रीकृष्ण ने वह स्यमंतकमणि सत्राजित को वापस करके स्वयं पर लगा कलंक धोया।

यूजीसी के नए नियमों और आरक्षण के खिलाफ हल्ला बोल

नई दिल्ली। 45 दिनों तक चले कॉंकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के बाद शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर शक्ति प्रदर्शन का गवाह बना. हजारों प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इकटिरी नियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर, पोस्टर और भावा झंडे लेकर पहुंचे और अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए. प्रदर्शनकारियों ने जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग की. उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें वास्तव में इसकी जरूरत है. कई प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण का आधार आर्थिक स्थिति को बनाने की मांग की. प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने एससी/एसटी एक्ट का भी विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की. उनका कहना था कि किसी भी कानून का दुरुपयोग किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं होना चाहिए।

2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का लक्ष्य जरूरी: जयंत

नई दिल्ली। क्या भारत 2047 में आजादी के 100 साल पूरे होने तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है? पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा का मानना है कि भारत को यह लक्ष्य रखना चाहिए और इसे हासिल करने की दिशा में अभी से तेजी से काम करने की जरूरत है. उनके मुताबिक, विकसित भारत के लक्ष्य के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी एक महत्वाकांक्षी लेकिन जरूरी लक्ष्य हो सकता है. बिजनेस टुडे के ईंडिया@100 समिट में जयंत सिन्हा ने 2047 तक भारत कैसे 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन सकता है इसका रोडमैप सामने रखा. उनके मुताबिक, भारत की मौजूदा प्रति व्यक्ति तबद्ध करीब 2,700 डॉलर है, जबकि हाई इनकम स्टेट्स के लिए इसे करीब 14-15 हजार डॉलर तक पहुंचाना होगा. इसके लिए देश की अर्थव्यवस्था को मौजूदा आकार से कई गुना बढ़ा करना पड़ेगा।

पूर्व भाजपा विधायक बोले, मुझे वोट नहीं दिया तो पेट में पड़ेंगे कीड़े

नईदिल्ली। लक्सर से भाजपा के पूर्व विधायक संजय गुप्ता एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं. उनका बृहस्पतिवार को दिया गया एक बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में वह एक मंच से लोगों को संबोधित करते हुए अपने लिए वोट मांगते नजर आ रहे हैं. इसी दौरान उन्होंने वोट नहीं देने वालों को लेकर अजीबोगरीब बात कही. संजय गुप्ता ने मंच से कहा कि जो उन्हें वोट नहीं देगा, उसके पेट में बड़े-बड़े कीड़े पड़ेंगे और उसका पेट फट जाएगा. उनके इस बयान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है. बयान को लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. दरअसल, संजय गुप्ता भाजपा से विधायक रह चुके हैं. वर्ष 2022 के चुनाव में उन्हें बसपा के शहजाद के कारण हार का सामना करना पड़ा था. अब 2029 का चुनाव आने वाला है।

तेलंगाना कांग्रेस में फूट! 18 विधायकों ने खोला मोर्चा

नईदिल्ली। तेलंगाना कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है. पार्टी के 18 विधायकों और स्ख्छ्हा ने मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. इन नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सुरेखा को पार्टी से निर्लंबित या बाहर करने की मांग की. इन नेताओं को मुख्यमंत्री रेंवंत रेड्डी के समर्थक गुट का माना जा रहा है. नेताओं ने आरोप लगाया कि कोंडा सुरेखा समेत कुछ वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री के खिलाफ लगातार बयान दे रहे हैं. उन्होंने पार्टी हाईकमान से ऐसे नेताओं पर सख्त कार्रवाई करने की अपील की.वारंगल वेस्ट से विधायक नाइनी राजेंद्र रेड्डी ने कोंडा सुरेखा पर तीखा हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के ही कुछ लोग सुरेखा का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें कांग्रेस छोड़ने के लिए कह रहे हैं. राजेंद्र रेड्डी ने कहा, रेंवंत रेड्डी का खून पीना बहुत हो गया. आपके लिए पार्टी छोड़ देना ही बेहतर है. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पार्टी नेताओं का बार-बार अपमान किया गया तो वे चुप नहीं बैठेंगे।

दिल्ली में फैला स्वाइन फ्लू

नईदिल्ली। दिल्ली में इन दिनों स्वाइन फ्लू यानी इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है. राजधानी दिल्ली में ही इस साल अब तक 1777 केस आ चुके हैं. दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 14 दिनों में 433 नए केस आए हैं. बीते साल की तुलना में अगस्त के हिसाब से यह कई गुना ज्यादा है. अस्पतालों की ओपीडी में भी फ्लू के लक्षणों के साथ आने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है. दिल्ली एम्स, सफदरजंग, आरएमएल से लेकर दूसरे अस्पतालों में भी हर दिन फ्लू के लक्षणों के साथ मरीज आ रहे हैं. इनकी स्वाइन फ्लू की जांच भी की जा रही है. टेस्ट में कई लोग पॉजिटिव मिल रहे हैं. दिल्ली में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी नड्डा ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह के साथ समीक्षा बैठक की है. इसमें उन्होंने स्वाइन फ्लू को लेकर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए हैं. केंद्र से हर तरह की मदद का भरोसा भी दिया है. इसके बारे में जानने लिए आजतक.इन ने दिल्ली AIIMS में मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर डॉ नीरज निश्चल से बात की है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

युवाओं की नब्ज टटोलने में जुटे प्रधान

नईदिल्ली। पेपर लीक मामले पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के चलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेन्द्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था. मंत्री पद की कुर्सी छोड़ने के बाद वे एक बार फिर राजनीतिक पिच पर सक्रिय हो गए हैं. इस बार वे एक नई रणनीति के तहत सीधे छात्रों और तद्रष्ट (युवा पीढ़ी) के साथ संवाद करते नजर आ रहे हैं. इस्तीफा देने के बाद धर्मेन्द्र प्रधान सबसे पहले 9 अगस्त को ओडिशा की जीएम यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे. इसके बाद गुर्गवार को वे दिल्ली विश्वविद्यालय (ष्ठ) में छात्रों के साथ नजर आए. इसके अलावा लखनऊ में एक फाइव स्टार होटल के कार्यक्रम में भी शामिल होने पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात बृजभूषण शरण सिंह सहित पार्टी के कई बड़े नेताओं से हुई. धर्मेन्द्र प्रधान ने 25 जुलाई को यह कहते हुए इस्तीफा दिया था कि वे छात्रों के भविष्य



की रक्षा करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि राष्ट्रविरोधी ताकतें इन विरोध प्रदर्शनों का अनुचित लाभ उठाएं. अब जीएम यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम से लेकर दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों के बीच उनकी उपस्थिति साफ दर्शाती है कि वे युवा राजनीति की नब्ज को समझने और साधने की कवायद में जुटे हैं.भाजपा सांसद धर्मेन्द्र प्रधान 9 अगस्त को भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे. इस दौरान उन्होंने तद्रष्ट से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने यह

खुलकर स्वीकार किया कि तद्रष्ट एक ऐसी सामाजिक और राजनीतिक ताकत है, जिसे खारिज या नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्ट कहा था कि देश के युवाओं के संकल्प और उम्मीदों के सामने शिक्षा मंत्री पद की जिम्मेदारियां बहुत छोटी हैं. गुर्गवार को उन्होंने डीयू के छात्रों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने डीयू के छात्र श्रीकृष्णा रंजन पात्रा द्वारा लिखित पुस्तक द भारत मॉडल नैवर्गोटिंग द 21स्ट सेंचुरी का विमोचन किया. यह पुस्तक 21वीं सदी में विकसित भारत की यात्रा और उसमें युवाओं की भूमिका पर केंद्रित है। सांसद धर्मेन्द्र प्रधान ने पुस्तक विमोचन की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी साझा कीं, जिनमें वे

डीयू के छात्रों के बीच बैठकर आत्मीय संवाद करते दिखे.धर्मेन्द्र प्रधान की हालिया सियासी गतिविधियों में एक खास पैटर्न नजर आ रहा है. दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच पहुंचकर युवा छात्र की पुस्तक का विमोचन करना इसी रणनीति का हिस्सा है. उन्होंने भुवनेश्वर में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा था कि युवाओं के विरोध को दबाने या उनका आकांक्षाओं को सही दिशा देना और उन्हें गुमराह होने से बचना समय की मांग है. भाजपा सांसद ने कहा कि भले ही की ज़िद के कारण परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हुईं, लेकिन उन्हें यह अहसास हुआ कि नई पीढ़ी का विरोध करने के बजाय उनके दृष्टिकोण को समझने की जरूरत है. उन्होंने कहा, भले ही कुछ लोगों ने तद्रष्ट को गुमराह करने का प्रयास किया।

वंदे मातरम: भाजपा ने कांग्रेस के फैसले को नकारा

नई दिल्ली। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पार्टी के नवनि्युक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ पहली बार बैठक की। इस बैठक के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बताया कि पदाधिकारियों की इस बैठक में पहला प्रस्ताव वंदे मातरम के सम्मान को लेकर पारित किया गया। संबित पात्रा ने इस दौरान कांग्रेस के वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने के फैसले को लेकर निशाना साधा।

संबित पात्रा ने कहा कि वंदे मातरम के बीच मंत्र के मूल में देश और देशभक्ति है। उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से वंदे मातरम को रोकने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है। 15 अगस्त, 2026 को लाल किले से छह श्लोकों वाला संपूर्ण वंदे मातरम गाया गया। लेकिन 15 अगस्त को कांग्रेस कार्यालय में एक अशोभनीय घटना घटी।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, लोकसभा में विपक्ष के

नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की उपस्थिति में, जब तिरंगा फहराया जा रहा था, सोनिया गांधी ने दो श्लोकों के बाद वंदे मातरम रोकने का इशारा किया। कांग्रेस इस मामले में डेमेज कंट्रोल की कोशिश कर रही थी। 19 अगस्त को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में एक प्रस्ताव आया कि हम वंदे मातरम के केवल दो श्लोक गाएंगे। कांग्रेस वंदे मातरम का विभाजन करना चाहती है। हम सभी जानते हैं कि 1937 में यह निर्णय क्यों लिया गया था।

भाजपा सांसद ने आगे कहा, 1937 में केवल दो छंद गाने का यह फैसला क्यों लिया गया, हम सब जानते हैं। वंदे मातरम के 100 साल पूरे होने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में देश में आपातकाल लगा हुआ था। 150 वर्ष पूरे होने पर सदन में चर्चा होती है। आजादी से पहले ब्रिटिश सरकार वंदे मातरम को रोकती थी। आज कांग्रेस वही काम कर रही है।

अखिलेश यादव के चवन्नी वाले बयान पर मायावती का पलटवार

■ कहा- जाट समाज से माफ़ी मांगें

लखनऊ। बीएसपी प्रमुख मायावती ने 22 अगस्त को समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की आलोचना की। उन्होंने राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) प्रमुख और पूर्व सहयोगी जयंत चौधरी पर की गई टिप्पणी के लिए अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया और कहा कि उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के परिवार का अपमान करने के लिए पूरे जाट समुदाय से माफ़ी मांगनी चाहिए। मायावती ने अखिलेश यादव के बयान हम लोगों ने चवन्नी को रुपया बना दिया, फिर भी छोड़कर चले गए को बेहद अभद्र, अशोभनीय और शर्मनाक बताया। उन्होंने झू पर एक पोस्ट में लिखा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख को इन टिप्पणियों के लिए न केवल पार्टी और उसके नेता से, बल्कि

जाट समुदाय से भी माफ़ी मांगनी चाहिए।

उन्होंने समाजवादी पार्टी पर राजनीतिक संकीर्ण सोच और जातिवादी नफरत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन्हीं वजहों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बार-बार राजनीतिक और चुनावी फायदा मिला है और उत्तर प्रदेश में धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुई हैं। उन्होंने कहा कि सपा के तौर-तरीके, उसका चरित्र और चेहरा हमेशा से ही- चाहे उसके विरोधी हों या सहयोगी- राजनीतिक संकीर्ण सोच और जातिवादी नफरत से ग्रस्त रहे हैं, जिससे वह काफी हद तक नापसंद और अविश्वसनीय बन गई है।

1995 की लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस की घटना का जिक्र करते हुए मायावती ने

याद दिलाया कि कैसे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया था, जब बीएसपी ने मुलायम सिंह यादव की गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। उन्होंने सपा के व्यवहार को ऐसा बताया जिसमें पार्टी अपने फायदे के लिए गठबंधन का इस्तेमाल करती है और फिर अपना रुख बदलकर अभद्र भाषा का सहारा लेती है। उन्होंने लिखा कि यह सपा का पुराना व्यवहार है, और समाज के अलग-अलग वर्गों से अपील की कि वे इस पार्टी की राजनीति से सावधान रहें।

मायावती की ये टिप्पणियां अखिलेश यादव के उस हमले के बाद आई जिसमें उन्होंने जयंत चौधरी पर निशाना साधा था। जयंत चौधरी ने 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस

(एनडीए) में शामिल होने के लिए सपा गठबंधन छोड़ दिया था। अखिलेश यादव का 25 चैसे को एक रुपया बनाने वाला बयान, चौधरी के 2022 के उस बयान का जवाब था जिसमें उन्होंने भाजपा के प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा था, मैं कोई चवन्नी हूं जो पलट जाऊंगा? अखिलेश यादव की टिप्पणी के जवाब में, जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर जाट समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजनीति की लड़ाई में, अगर आपको कुछ घंटिया शब्द इस्तेमाल करने ही थे, तो कम से कम मेरा नाम लेकर कहते। इससे कोई समस्या नहीं होती। जाट समुदाय को निशाना बनाना और यह कहना कि एबीसीडी हमने सिखाई? मैंने यह अहंकार करीब से देखा है, और मेरा मानना है कि ऐसे व्यवहार से सिर्फ पतन ही होता है!

स्टेल प्रमुख समाचार

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच आज

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा और आखिरी टेस्ट रविवार से कोलंबो के सिंहललीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेला जाएगा। गॉल टेस्ट में 165 रन की बड़ी जीत के बाद टीम इंडिया के पास सीरीज 2-0 से जीतने का शानदार मौका है। भारत ने आखिरी बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विश्वी धरती पर टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिली, जबकि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ विदेशी सीरीज ड्रॉ रही।

पहले टेस्ट में श्रीलंकाई स्पिनरों की मददगार परिस्थितियों के बावजूद भारत ने शानदार दर्शन करते हुए 165 रन से जीत दर्ज की। यह जीत कसान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी राहत लेकर आई। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में मिली निराशाजनक हार के बाद टीम पर दबाव बढ़ गया था। गॉल में मिली जीत ने टीम के माहौल को बदल दिया और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया। अगर भारत दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप करता है, तो टीम के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स प्रतिशत 57.58 तक पहुंच सकते हैं। इससे भारत के पास अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंचने का मौका होगा। बांग्लादेश फिलहाल 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार की स्थिति में उसका प्रतिशत 55.56 तक गिर सकता है। ऐसे में भारत के लिए कोलंबो टेस्ट का महत्व और बढ़ गया है। श्रीलंका के लिए दूसरे टेस्ट में सबसे बड़ी चिंता उसका शीर्ष क्रम है। पहले टेस्ट में बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और आक्रामक शांट खेलेने के प्रयास में जल्दी विकेट गंवाते रहे। मेघबाना टीम को इन-फॉर्म कमिल मिशरा और साहन अरर्चिंगे के शामिल होने से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

आर्थिक/वाणिज्य/वित्त/राष्ट्रीय प्रमुख समाचार

चीनी के बाद प्याज की कीमतों में उछाल

नईदिल्ली। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही आम लोगों की रसोई का बजट बिगड़ने लगा है। चीनी के बाद अब प्याज की कीमतों में भी तेज उछाल देखने को मिल रहा है। देश के कई हिस्सों में खुदरा बाजार में प्याज के दाम तेजी से बढ़े हैं और कुछ बड़े शहरों में इसकी कीमत 50 से 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 21 अगस्त को प्याज की औसत खुदरा कीमत करीब 40.79 रुपए प्रति किलो रही। एक महीने पहले 21 जुलाई को यही कीमत 34.87 रुपए प्रति किलो थी यानी एक महीने में प्याज लगभग 17 प्रतिशत महंगा हुआ है। एक साल पहले की तुलना करें तो 21 अगस्त 2025 को औसत खुदरा कीमत करीब 28.72 रुपए प्रति किलो थी। इस हिसाब से सालाना आधार पर प्याज की कीमत में 42 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

अगले हफ्ते कंपनियां निवेशकों को बांटेंगी मुनाफा

नईदिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए आने वाला हफ्ता डिविडेंड के लिहाज से काफी अहम रहने वाला है। 24 अगस्त से 28 अगस्त के बीच कई कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होने जा रहे हैं। यानी इन कंपनियों के घोषित डिविडेंड का फायदा पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड और रिकॉर्ड डेट का ध्यान रखना होगा। इस लिस्ट में छोटी-बड़ी कई कंपनियां शामिल हैं। इनमें जिलेट इंडिया, लीक फर्टिलाइजर्स, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन, प्रॉक्टर एंड गैबल हेल्थ, मल्टी कर्मांडिटो एक्सचेंज ऑफ इंडिया, एनबीसीसी, पॉली मैडिक्योर और वर्धमान टेक्सटाइल्स जैसे नाम शामिल हैं। अलग-अलग कंपनियों ने 0.05 रुपये से लेकर 60 रुपये प्रति शेयर तक डिविडेंड देने का ऐलान किया है। ऐसे में निवेशकों के लिए इन कंपनियों की तारीख और डिविडेंड के पैसे पर नजर रखना जरूरी है।

क्या यूपीआई पर नहीं लगेगा कोई भी एक्स्ट्रा चार्ज?

नईदिल्ली। देश में यूपिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों को राहत देने के लिए एक बड़ी योजना पर काम चल रहा है। खबर है कि सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऐसा रास्ता तलाश रहे हैं जिससे मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों की जेब पर न पड़े। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 2017 के उस नियम को मॉडल बनाया जा सकता है, जो डेबिट कार्ड से पेमेंट पर दुकानदारों को ग्राहकों से अलग से चार्ज वसूलने से रोकता है। दिसंबर 2017 में आरबीआई ने डेबिट कार्ड के जरिए होने वाले लेनदेन पर एमडीआर को लेकर एक सर्कुलर जारी किया था। इसमें बैंकों को साफ निर्देश दिए गए थे कि वे अपने साथ जुड़ने वाले मर्चेंट्स (दुकानदारों) पर नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि वे इस शुल्क का बोझ ग्राहकों पर न डालें।

भारतीय शेयर बाजार को लेकर मार्गन की नई रिपोर्ट

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार को लेकर दुनिया की जानी-मानी ब्रोकरेज फर्म जेपी मार्गन ने नए अनुमान जारी किए हैं। ब्रोकरेज ने अपनी नई इंडिया स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में निफ्टी के लिए 27,000 अंकों का बेस-केस टारगेट बरकरार रखा है। वहीं, अगर बाजार में तेजी का माहौल मजबूत रहा तो निफ्टी के 30,000 तक पहुंचने की संभावना भी जताई गई है। जेपी मार्गन के मुताबिक एमएससीआई इंडिया कंपनियों की मार्गई में 2026 के दौरान करीब 11% और 2027 में 13% की वृद्धि हो सकती है। यही मजबूत आर्निंग ग्रोथ बाजार के लिए सबसे बड़ा सपोर्ट बन सकती है। ब्रोकरेज ने अपने बुल-केस में निफ्टी का लक्ष्य 30,000 रखा है। हालांकि नकारात्मक परिस्थितियों में यह इंडेक्स 20,500 तक फिसल सकता है यानी बाजार में तेजी के साथ जोखिम भी मौजूद है।

सुनील बंसल

देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर आज जो ईंधन गाड़ी की टंकी में उतरता है, उसका पांचवां हिस्सा दरअसल खाड़ी के किसी तेल के कुएं से नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के किसी गन्ने के खेत या उत्तर प्रदेश के मक़े के खलितहान से आता है। यह महज एक नारा नहीं, बल्कि पिछले ग्यारह वर्षों के सुनियोजित नीतिगत प्रयासों का परिणाम है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में ई-20 यानी 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर जिस तरह का शोर मचा है, उसमें माइलेज घटने, ईंजन खराब होने, बीमा दावा खारिज होने और यहां तक कि टंकी में सीधे गन्ने का रस मिलाए जाने जैसे झूठे दावे भी तेजी से प्रसारित हुए हैं। इस बहस का बड़ा हिस्सा तथ्यों से अधिक अफवाहों पर टिका है, इसलिए ई-20 को आंकड़ों, वैज्ञानिक अध्ययनों और वाहन निर्माताओं के वास्तविक अनुभवों की कसौटी

पर परखना आवश्यक है, न कि बेबुनियाद दावों के आधार पर।

एथेनॉल ब्लेंडिंग को अक्सर हाल के वर्षों की जल्दबाजी बताया जाता है, जबकि यह कार्यक्रम 2001 में पायलट परियोजना के रूप में शुरू हुआ था। 2006 में कई राज्यों में पांच प्रतिशत मिश्रण (ई-5) लागू हुआ, जनवरी 2013 में इसे राजपत्र में अधिसूचित किया गया, और मई 2018 की राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति ने गन्ने के अलावा मक्का और अतिरिक्त अनाज को भी कच्चे माल में शामिल किया। 2013-14 तक मिश्रण का स्तर डेढ़ प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाया था, क्योंकि अकेले गन्ने के दम पर इतनी एथेनॉल पैदा करना संभव नहीं था। निर्णायक मोड़ जून 2021 में आया, जब नीति आयोग ने वाहन निर्माताओं, तेल कंपनियों और कृषि विशेषज्ञों से विस्तृत राय के बाद 2025-26 तक की रोडमैप रिपोर्ट जारी की, जिसकी कुछ



पंक्तियां अक्सर संदर्भ से काटकर उद्धृत की जाती हैं।

रिपोर्ट ने सिफारिश की थी कि ई-10 अप्रैल 2022 तक और ई-20 चरणबद्ध ढंग से अप्रैल 2023 से 2025 तक पूरे देश में उपलब्ध कराया जाए। हकीकत यह है कि ई-10 का लक्ष्य जून 2022 में, और बीस प्रतिशत मिश्रण का राष्ट्रीय औसत 2025-26 में हासिल हुआ, मूल 2030 लक्ष्य से पूरे पांच साल पहले।

वर्ष-दर-वर्ष प्रगति सतत चढ़ाव की कहानी कहती है: 2020-21 में लगभग 8.1 प्रतिशत, 2021-22 में 10 प्रतिशत, 2022-

23 में 12.1 प्रतिशत, 2023-24 में 14.6 प्रतिशत, 2024-25 में 19.2 प्रतिशत, और 2025-26 के नवंबर-जून चक्र में पूरे 20 प्रतिशत। यह किसी अचानक लिए गए फैसले का नहीं बल्कि क्षमता निर्माण, निवेश और नियामकीय तैयारी के तालमेल से आगे बढ़ने वाली सुनियोजित प्रक्रिया का प्रमाण है। इस नीति की जड़ में सीधा-सा तथ्य है कि भारत अपनी कुल कच्चे तेल की ख़वत का लगभग 88.5 प्रतिशत आयात करता है, इसलिए ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता इतनी गहरी है। प्रति बैरल आयातित तेल देश को वैश्विक कीमतों और भू-राजनीतिक संकटों के आगे बेबस बना देता है।

ई-20 से इंजन को नुकसान की आशंका आधारहीन साबित हुई है। भारतीय सुजुकी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2.84 करोड़ गाड़ियों की सर्विसिंग का, जिनमें डेढ़ करोड़ से ज्यादा

गाड़ियां तीन साल से पुरानी और ई-20 के लिए प्रमाणित भी नहीं थीं, फिर भी संश्लारण या पुर्जे की उम्र घटने का कोई मामला सामने नहीं आया जिसे ई-20 से जोड़ा जा सके। हीरो मोटोकॉर्प ने भी अपने सर्विस आंकड़ों के आधार पर यही कहा कि नुकसान का कोई अतिरिक्त मामला नहीं मिला। सरकार का आकलन बताता है कि देश में हर दिन करीब आठ करोड़ वाहन ईंधन भरवाने पहुंचते हैं, जिनमें अस्सी प्रतिशत पेट्रोल वाहन हैं, और ई-19-ई-20 ईंधन अब ढाई साल से इस्तेमाल में है, बीस करोड़ से ज्यादा दोपहिया और तीन करोड़ से अधिक कारें इसी मिश्रण पर चल रही हैं, बिना किसी इंजन फेल होने की पुष्टि के। तकनीकी दृष्टि से एथेनॉल एक बेहतर दहन क्षमता वाला ईंधन है। इसका रिसर्च ऑप्तेन नंबर लगभग 108.5 है, जबकि सामान्य पेट्रोल का यह आंकड़ा 84.4 के आसपास है।



छत्तीसगढ़

सौर ऊर्जा का सिरमौर

हर घर रौशन, हर क्षेत्र ऊर्जावान

विकसित छत्तीसगढ़ की ऊर्जा क्रांति

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई पहचान बन रहा छत्तीसगढ़



एक समय केवल पारंपरिक विद्युत उत्पादन के लिए पहचाना जाने वाला छत्तीसगढ़ आज देश में सौर ऊर्जा क्रांति का अग्रदूत बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में ऐसा परिवर्तनकारी अभियान शुरू किया है, जिसने हजारों परिवारों को बिजली उपभोक्ता से बिजली उत्पादक बना दिया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, सौर सुजला योजना, पीएम कुसुम योजना, सूर्य रथ जनजागरण अभियान तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेशों के माध्यम से प्रदेश स्वच्छ, सस्ती और आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि आज छत्तीसगढ़ को देश के उभरते हुए 'सौर ऊर्जा मॉडल राज्य' के रूप में देखा जा रहा है।

उपलब्धियां



57,702+ सौर कनेक्शन स्थापित



2.8 करोड़+ यूनिट हर माह हरित बिजली का उत्पादन



₹1.08 लाख तक की अधिकतम सब्सिडी



देश में दूसरा स्थान
Vendor Registration
(मध्यम उपभोक्ता श्रेणी वाले राज्य)

राष्ट्रीय स्तर पर चमका छत्तीसगढ़

PM SURYA GHAR EXCELLENCE AWARD

राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान

'मंथ ऑफ सोलर' अभियान में सर्वाधिक वेंडर पंजीयन के लिए छत्तीसगढ़ का चयन प्रतिष्ठित 'पीएम सूर्य घर एक्सीलेंस अवॉर्ड' हेतु

66

हर छत बनेगी ऊर्जा का स्रोत, हर परिवार बनेगा आत्मनिर्भर

छत्तीसगढ़ में सूरज केवल रोशनी का नहीं, बल्कि समृद्धि, आत्मनिर्भरता और हरित भविष्य का प्रतीक बन चुका है। हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का प्रत्येक पात्र परिवार सौर ऊर्जा से जुड़े और बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, सौर सुजला और कुसुम जैसी योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी ग्रीन एनर्जी राज्य बनेगा और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सौर ऊर्जा सबसे बड़ी शक्ति सिद्ध होगी।

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



57 हजार से अधिक परिवार बने ऊर्जा उत्पादक

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत हजारों परिवार अब अपनी जरूरत की बिजली स्वयं बना रहे और बिजली बिल में भारी बचत कर रहे हैं।



सूर्य रथ अभियान से गांव-गांव पहुंची सौर ऊर्जा

राज्य सरकार का सूर्य रथ अभियान सौर ऊर्जा के प्रति जनजागरण का बड़ा माध्यम बन गया है। योजनाओं की जानकारी, सब्सिडी और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी घर-घर पहुंच रही है।



किसानों के लिए वरदान सौर सुजला योजना

राज्य सरकार का सूर्य रथ अभियान सौर ऊर्जा के प्रति जनजागरण का बड़ा माध्यम बन गया है। योजनाओं की जानकारी, सब्सिडी और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी घर-घर पहुंच रही है।

डबल सब्सिडी का डबल फायदा

- केंद्र सरकार की सब्सिडी के साथ छत्तीसगढ़ सरकार की अतिरिक्त वित्तीय सहायता
- 1 किलोवाट से 3 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप संयंत्र पर 45 हजार रुपये से लेकर 1.08 लाख रुपये तक अनुदान
- आसान बैंक ऋण सुविधा से आम परिवार भी बिना आर्थिक बोझ के सौर ऊर्जा अपना रहे हैं।

रायगढ़ बना सौर ऊर्जा मॉडल जिला

- 2,705 से अधिक परिवारों की छतों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित।
- 11,500 किलोवाट से अधिक क्षमता।
- प्रतिदिन लगभग 46 हजार यूनिट और प्रतिमाह 13.80 लाख यूनिट हरित बिजली का उत्पादन।
- लगातार बढ़ती जनभागीदारी, हर सप्ताह सैकड़ों नए आवेदन प्राप्त।

हर घर बिजलीघर

- योजना के तहत स्थापित सोलर सिस्टम से प्रतिमाह 300 यूनिट तक बिजली की जरूरत आसानी से पूरी।
- अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर उपभोक्ता उसे विद्युत ग्रिड को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।
- बिजली बचत के साथ आय वृद्धि का सुनहरा अवसर।

पीएम कुसुम योजना

- किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है।
- किसान अपनी जमीन पर बिजली उत्पादन कर सिंचाई कर रहे हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित कर रहे हैं।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही नई मजबूती।

हरित परिवहन की ओर बड़ा कदम

50 करोड़ रुपये+ की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का शुभारंभ

रायपुर स्थित क्रेडा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साव ने 50 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

- सौर ऊर्जा संचालित बैटरी स्विपिंग स्टेशन
- सोलर पावर्ड ई-रिक्शा
- स्वच्छ किफायती और प्रदूषणमुक्त परिवहन की दिशा में बड़ा कदम



ग्रीन एनर्जी विजय 2047

15 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक का लक्ष्य

15%
वर्तमान ग्रीन एनर्जी उत्पादक



सूर्य घर योजना
(रूफटॉप सोलर)

45%
लक्ष्य वर्ष 2047 तक



सौर्य सुजला योजना
(सोलर पंप)



पीएम कुसुम योजना
(किसान सशक्तीकरण)



सोलर ई-रिक्शा
(हरित परिवहन)



बैटरी स्विपिंग स्टेशन

सौर ऊर्जा के विस्तार से जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होगी, कार्बन उत्सर्जन घटेगा और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव होगा।



सौर ऊर्जा अपनाएं • बिजली बचाएं • आय बढ़ाएं

और विकसित छत्तीसगढ़ की ऊर्जा क्रांति के सहभागी बनें।



आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/11/10, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.